कोटद्वार, गुरूवार
8 मई 2025
वर्षः 47
अंकः 18 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

समय आ गया है कि लाहौर और कराची में तिरंगा फहराया जाएः योगगुरु रामदेव

हरिद्वार। पाकिस्तान में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर बुधवार को योगगुरु रामदेव ने भारतीय सेना के हौसले और पराक्रम की जमकर सराहना की। मीडिया से बातचीत में योगगुरु ने कहा कि वक्त आ गया है कि जल, थल और नभ सेनाएं मिलकर पाकिस्तान की ऐसी कमर तोड़ें कि वो भारत पर हमला करने से पहले सौ बार सोचे। उन्होंने कहा कि अब वक्त आ गया है कि पाकिस्तान को सबक सिखाने के साथ ही भारतीय सेना पीओके को भारत में मिलाए। बलूचिस्तान, पखदून में जो पाकिस्तान के खिलाफ विद्रोह के सर उठ रहे हैं, उन्हें दूरदर्शिता के साथ सपोर्ट करना चाहिए। समय आ गया है कि लाहौर और कराची में तिरंगा फहराया जाए और आतंकियों को सपोर्ट करने वालों को भी न बख्शा जाए।

फेंचाइजी के नाम पर दो लाख की ठगी

हरिद्वार। ऑटो वर्कशाप संचालक से फेंचाइजी के नाम पर दो लाख रुपये की ठगी हो गई। शहर कोतवाली पुलिस ने बुधवार को कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी रितेश शाह के मुताबिक दत्तकुटी निकट आरके मिशन अस्पताल निवासी वंशदीप शर्मा ने शिकायत कर बताया कि वह पुराना इन्डस्ट्रियल एरिया में गणपति मोटर्स वर्कशॉप चलाते हैं। आरोप है कि अक्तूबर 2022 में विपिन धीमान और सतीश उसके पास आए और खुद को एसओएस 24गुना 7 सोल्युशन का डायरेक्टर बताया। आरोप है कि दोनों ने कंपनी से बिजनेस डील कराने का झांसा दिया और दो लाख की मांग की। आरोप है कि पांच हजार नकद और 1,95,000 तीन किश्तों को उन्होंने ऑनलाइन खाते में ट्रांसफर कर दिया।

जमीनी विवाद में हवाई फायरिंग

काशीपुर। दो भाइयों के बीच जमीनी विवाद के चलते एक व्यक्ति ने गांव में हवाई फायरिंग कर दी। ग्रामीणों ने एक पक्ष के साथियों पर उनसे अभद्रता का आरोप लगाते हुए तहरीर सौंपी है। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्राम बगवाड़ा निवासी अनुप्रीत सिंह पुत्र सुखवीर सिंह ने कुंडा थाना पुलिस को तहरीर देकर कहा कि गांव के हरि सिंह और उसके भाई कुलदीप सिंह पुत्र सोहन सिंह के बीच में जमीन को लेकर कुछ समय से विवाद चल रहा है। आरोप है कि 3 मई की रात 9.30 बजे कुलदीप सिंह के ठेकेदार मनजिंदर सिंह उर्फ सन्नी ने रायफल से कई राउंड हवाई फायरिंग की। साथ ही उसके अन्य साथी त्रिलोक सिह ने ग्रामीणों को गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। जिससे ग्रामीणों में डर का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। कुंडा थाना प्रभारी हरेंद्र चौधरी ने बताया कि मामले में आरोपों की जांच की जा रही है।

बागेश्वर–टनकपुर रेल लाइन को लेकर भ्रमित कर रही भाजपा: हरीश

बागेश्वर। कांग्रेस की प्रदेश में चल रही तिरंगा यात्रा बुधवार को बागनाथ मंदिर पहुंची। यहां पूजा अर्चना के बाद कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इसके बाद पूर्व सीएम हरीश रावत समेत अन्य नेता पत्रकारों से रू–ब–रू हुए। रावत ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के रेल को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने के बयान पर सवाल खड़े किए। उन्होंने पूर्व में कांग्रेस शासन में प्रदेश की दो रेल लाइन को राष्ट्रीय धरोहर में घोषित कर परियोजना निर्माण को हरी झंडी दी थी। अब भाजपा सरकार इन परियोजनाओं को भाजपा शासन में स्वीकृत होने का झूठा दावा कर रही है। रावत ने कहा नई रेल लाइन रामनगर चौखुटिया– गैरसैण, की रेल लाइन का निर्माण भी कराया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भ्रष्ठाचार चरम पर है। कमरतोड़ महंगाई ने गरीब लोगों की थालियों से निवाला छिनने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश में न्याय यात्रा प्रदेशवासियों को संवैधानिक आधार पर न्याय दिलाने, समाजिक आधार पर महंगाई, पलायन को लेकर जागरूक किया जा रहा है। बैकलॉग के आधार पर सरकार ने आरक्षित पदों से ध्यान हटा दिया है। भर्ती परीक्षा पत्र लीक होने से बेरोजगार चिंतित है। प्रदेश में विकास का कोई दृष्टिकोण नही है। अधिकांश सड़कें गड्ढों से पटी हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद उत्तराखंड में हाई अलर्ट जारी

देहरादून : पाकिस्तान पर भारत के ऑपरेशन सिंदूर के तहत हमले के बाद उत्तराखंड में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। पुलिस की ओर से सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। उत्तराखंड के इंटरनेशनल बॉर्डर पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस की ओर से संदिग्धों की पहचान कर उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस की ओर से संवेदनशील और अति संदेनशील इलाकों में सत्यापन अभियान भी चलाया जा रहा है।

पाकिस्तान में भारतीय सेना द्वारा आतंकियों के खिलाफ लिए ऑपरेशन सिंदूर के तहत जोरदार ऐक्शन के बाद देहरादून पुलिस हाई अलर्ट पर आ गई है। बुधवार सुबह से ही पुलिस की ओर से जिले के शहरी और देहाती इलाकों में संदिग्धों की तलाश के लिए सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस की अलग-अलग टीमो द्वारा अर्धसैनिक बलों के साथ बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन किया जा रहा है। पुलिस की ओर से संदिग्धों को कोतवाली लाकर पूछताछ की जारी है। सत्यापन अभियान के दौरान संदिग्धों के जरूरी सरकारी कागजातों की भी गंभीरता से जांच की जा रही है। देहरादून एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। संदिग्धों के सत्यापन के साथ ही सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। पाकिस्तान पर हमले के बाद देहरादून पुलिस और अर्द्धसैनिक बल की ज्वाइंट टीम की ओर से सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। बुधवार सुबह से ज्वाइंट टीम की ओर से चेकिंग चलाई जा रही है। शहरी इलाकों में भी चेकिंग अभियान चलाया गया है। जबकि, देहरादून जिले के ग्रामीण इलाकों में विशेषतौर से सघन सत्यापन अभियान को चलाया जा रहा है। चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस द्वारा लगातार सभी थाना क्षेत्रो में निवासरत बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन की कार्रवाई करते हुए संदिग्धों को पूछताछ हेतु थाने लाया जा रहा है। (एजेंसी)

उत्तराखंड के इंटरनेशनल बॉर्डर पर भी सुरक्षा

उत्तराखंड के इंटरनेशनल बॉर्डर पर भी सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। दूसरे देशों से उत्तराखंड में आने वाले लोगों की जांच की जा रही है। इसी के साथ ही यूपी से सटी उत्तराखंड की सीमाओं में भी चेकिंग अभियान को चलाया जा रहा है। किसी भी संदिग्धों पर विशेषतौर से नजर रखी जा रही है। पुलिस की कई टीमों का गठन किया गया है। बाहरी राज्यों से उत्तराखंड में आने वाली कारों सहित अन्य गाड़ियो की सघन चेकिंग की जा रही है। संदिग्धों से पूछताछ के साथ ही कागजातों की जांच-पड़ताल भी की जा रही है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद चारधाम रूट पर कड़ी चौकसी

पहलगाम आतंकी घटना के बाद ऑपरेशन सिंदूर के बाद उत्तराखंड चारधाम यात्रा को लेकर कड़ी चौकसी है। ऋषिकेश स्थित पंजीकरण केंद्र में भी एंटी टेरेरिस्ट स्क्वाड को तैनात किया गया है। एसएसबी और पुलिस के जवान भी यहां मोर्चा संभाले हुए है। बम डिस्पोजल स्क्वाड की टीम भी भीड़-भाड़ वाले स्थान पर लगातार चेकिंग अभियान चला रही है। पंजीकरण को पहुंचने वाले यात्रियों की शक आधार पर चेकिंग भी हो रही है।

एसएसबी ने बॉर्डर में चलाया चेकिंग अभियान

बॉर्डर पर सशस्त्र सीमा बल की 75वीं वाहिनी ने चेकिंग अभियान चलाया। सीमा पर आने और जाने वाले हर व्यक्ति की चेकिंग की गई। कमान अधिकारी मनोज कुमार के निर्देशन में वाहिनी विशेष सुरक्षा अभियान चलाया गया।

इन दिनों चलाए अभियान में एसएसबी के जवान संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान, सघन गश्त एवं तलाशी अभियान, सीमावर्ती गांवों में जनसंवाद और जागरूकता शिविर लगा रहे हैं। जिससे कोई भी संदिग्ध व्यक्ति देश में प्रवेश न कर पाए।

बदरीनाथ यात्रा मार्ग पर ड्रोन से निगरानी

चमोली : चारधाम यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए भारत तिब्बत चीन सीमा से लगे चमोली जिले में सुरक्षा और सतर्कता के विशेष कदम चमोली प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने उठाये हैं। चमोली पुलिस द्वारा बदरीनाथ हेमकुंड सहित संपूर्ण यात्रा मार्ग पर निगरानी के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। जनपद के बॉर्डर गौचर कस्बे से लेकर बदरीनाथ धाम तक के संपूर्ण यात्रा मार्ग की ड्रोन के माध्यम से निगरानी की जा रही है। पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार ने बताया कि ड्रोन से निगरानी का मुख्य उद्देश्य यात्रा मार्ग पर यातायात के प्रवाह को लगातार मॉनिटर करना है, ताकि कहीं भी अनावश्यक भीड़भाड़ या जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। ड्रोन की मदद से संभावित बाधाओं की पहचान त्वरित रूप से की जा सकती है, जिससे समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सकें। इसके अतिरिक्त, जनपद में प्रवेश का मुख्य द्वार होने के नाते गौचर बैरियर पर भी सुरक्षा और यातायात प्रबंधन को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। यहां जनपद में प्रवेश करने वाले सभी छोटे-बड़े वाहनों की सघन चैकिंग की जा रही है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि यात्रा पर जाने वाले वाहन नियमों का पालन करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखी जा सके। इस चैकिंग का उद्देश्य यात्रा मार्ग की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना है। गौचर से लेकर बदरीनाथ धाम तक का पूरा यात्रा मार्ग पूरी तरह से सुचारू बना हुआ है। वाहनों की आवाजाही व्यवस्थित ढंग से हो रही है, जिससे यात्रियों को अधिक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है। (एजेंसी)

सभी अर्धसैनिक बलों की छुट्टियां रद्द

●इंटरनेशनल बॉर्डर पर हाई अलर्ट, ऑपरेशन सिंदूर के बाद एमएचए ने जारी किए निर्देश

नई दिल्ली ,। पाकिस्तान में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना की एयर स्ट्राइक के बाद केंद्र सरकार ने सभी अर्धसैनिक बलों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। गृह मंत्रालय ने सभी सुरक्षा एजेंसियों को बॉर्डर पर हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। पूरे देश में मॉक ड्रिल की तैयारी भी शुरू हो गई है। गृहमंत्री अमित शाह ने अर्धसैनिक बलों के डीजी को निर्देश दिए हैं कि बॉर्डर पर पूरी सतर्कता बरती जाए और किसी भी स्थिति से निपटने को तैयार रहें। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पंजाब और जम्मू सीमाओं के अलावा राजस्थान और गुजरात बॉर्डर पर भी अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। इस बीच उत्तर प्रदेश में रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है। डीजीपी प्रशांत कुमार ने सभी जिलों को हाई अलर्ट पर रखा है और सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक, भारतीय सेना ने रात 1:28 बजे 'ऑपरेशन सिंदूरञ्ज लॉन्च किया, जिसमें लाहौर में हाफिज सईद और बहावलपुर में मसूद अजहर के अड्डों को निशाना बनाया गया। क़श्य के मुजफ्फराबाद, धामोल, कोटली और बाघ सेक्टर में भी मिसाइल हमले किए गए। इन हमलों में लश्कर–ए–तैयबा और जैश–ए–मोहम्मद के करीब 30 आतंकियों के मारे जाने की पुष्टि है। पीएम नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन की पूरी रात निगरानी की, जबकि एनएसए अजित डोभाल लगातार अपडेट देते रहे। दूसरी ओर पाकिस्तान के पीएम शाहबाज शरीफ ने देर रात इमरजेंसी बैठक बुलाई और कहा कि पाकिस्तान जवाब देगा।

बारात में आए व्यक्ति की पहाड़ी से गिरने से मौत

हल्द्वानी। धारी ब्लॉक के धानाचूली में मंगलवार देर शाम शव मिलने से सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और परिजनों की मौजूदगी में पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए हल्द्वानी भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पहाड़ी से गिरने से व्यक्ति की मौत हुई है। धानाचूली चौकी इंचार्ज एसआई विजय कुमार ने बताया कि सोमवार को ज्योलीकोट निवासी 45 वर्षीय पूरन चंद्र भट्ट पुत्र विशन सिंह भट्ट धारी ब्लॉक के मटियाल में विवाह समारोह में शामिल होने आए थे। पूरन भट्ट घेर के मना घेर रुके थे और बारात से लापता हो गए। इसके बाद परिजन और पुलिस पूरन की तलाश में लगे थे। वहीं मंगलवार देर शाम स्थानीय लोगों को मना घेर के पास सड़क से 30 मीटर दूरी पर शव दिखाई दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों की मदद से मृतक की शिनाख्त की। चौकी इंचार्ज विजय कुमार का कहना है कि पूरन चंद्र की खाई में गिरने से मौत हुई है। फिलहाल परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है।

चारधाम यात्रा, राष्ट्रीय प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बढ़ाई जाएं : धामी

–अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्ती के निर्देश, लोगों से अफवाहों से बचने की अपील

–केंद्रीय गृह मंत्री के साथ आयोजित वर्चुअल बैठक के बाद सीएम धामी ने ली उच्चस्तरीय बैठक

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को मुख्यमंत्री आवास में उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की परिस्थितियों को देखते हुए चारधाम यात्रा, उत्तराखंड में स्थित महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और बांधों और ऊर्जा संयंत्रों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतेजाम किये जाएं। उन्होंने शासन, प्रशासन और पुलिस को भी अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़ते हुए, कार्मिकों के अवकाश मंजूर न किए जाएं। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को अपने-अपने जिलों में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने के निर्देश दिए। लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि शासन-प्रशासन हर तरह से मदद के लिए तैयार है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की वर्चुअल बैठक में प्रतिभाग करने के बाद, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में उच्चाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से लगे राज्य के सभी क्षेत्रों में सुरक्षा की दृष्टि से पुख्ता इंतजाम किए जाएं, सीमांत क्षेत्रों में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जाए। उन्होंने कहा कि इस समय राज्य में चारधाम यात्रा चल रही है, जिसमें लाखों तीर्थयात्री प्रतिभाग कर रहे हैं, इसलिए यात्रा मार्ग सहित चारों धामों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में कई राष्ट्रीय महत्व के प्रतिष्ठान हैं, इन संस्थानों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी तरह की आपात स्थिति के लिए जिला और तहसील स्तर पर खाद्यान सहित आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बनाये रखी जाए। अस्पतालों को आपातकालीन परिस्थितियों के लिए अलर्ट रखा जाए। सभी आवश्यक दवाओं का पूर्ण प्रबंध किया जाय। उन्होंने कहा कि नागरिक सुरक्षा दल और स्वयंसेवी संस्थाओं को बचाव और राहत कार्य के लिए प्रशिक्षण दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को भी सही सूचनाओं के साथ सतर्क किया जाए, साथ ही इस बात का ध्यान रखा जाए कि जन सामान्य के पास हर तरह से सही और प्रमाणित सूचनाएं ही पहुंचे, ताकि वो अफवाह से दूर रह सकें।

साथ ही अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्ती की जाए। सोशल मीडिया के माध्यम से इस पर लगातार निगरानी रखी जाए। मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा के लिए अतिरिक्त केंद्रीय सुरक्षा बल उपलब्ध कराने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का विशेष आभार व्यक्त किया है।

सेना की सुप्रीम कमांडर राष्ट्रपति मुर्मू के नाम से होगी बद्रीनाथ में पूजाः महाराज

– पहलगाम हमले का माकूल जवाब दिया हमारी सेना ने

देहरादून। प्रदेश के पर्यटन, लोकनिर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने आपरेशन सिंदूर की शानदार सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि भारतीय सेना की इस बहादुरी और कौशल की कहानी ने देश को गौरवान्वित किया है।

न्होंने कहा कि हमारी तीनों सेनाएं त्रिशूल हैं जिसने दुश्मन के घर में घूसकर उसे पहलगाम हमले का माकूल जवाब दिया है।

प्रदेश के पर्यटन, लोकनिर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि पहले त्रेतायुग में हनुमान जी ने सर्जिकल स्ट्राइक कर दुश्मन को घर में घूसकर मारा और अब बालाकोट के बाद एक बार पुनः हमारी सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देकर सीमा पार बैठे आतंकवादियों के ठिकानों को चुन चुन कर तबाह किया है। उन्होंने कहा कि तीनों सेनाओं की सूझबूझ और पराक्रम से आज देश स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और भारतीय सेना की विजय के साथ–साथ यह ऑपरेशन देश की नारी का भी सम्मान है। इसलिए सेना की सुप्रीम कमांडर और देश की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के नाम से कल 08 मई को भगवान बद्री विशाल में पूजा अर्चना की जायेगी।

आपरेशन सिंदूर : पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक के बाद करतारपुर कोरिडोर बंद

गुरदासपुर ,भारत–पाकिस्तान के बीच जारी तनातनी के बीच मंगलवार रात आपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। इसके मद्देनजर देश भर के कई हवाई अड्डों पर उड़ानें रद्द कर दी गईं और सीमावर्ती जिलों के स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया। इसी सुरक्षा उपाय के तहत श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर भी बंद कर दिया गया। बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे दर्शन हेतु पहुंचे 491 श्रद्धालु तीन घंटे तक प्रतीक्षा के बाद निराश लौट गए। अधिकारियों ने सुरक्षा परिस्थितियों का हवाला देते हुए कॉरिडोर अगले आदेश तक बंद रहने की घोषणा की है। दर्शनों के लिए सुबह 8:30 बजे से शुरू होने वाली प्रक्रिया रद्द होने से श्रद्धालुओं को गुरुद्वारे के दर्शन नसीब नहीं हो सके।

तिलमिलाए पाकिस्तान ने की एलओसी पर फायरिंग, 3 भारतीय नागरिकों की मौत, भारतीय सेना ने भी दिया करारा जवाब

श्रीनगर ,पहलगाम आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारत ने मंगलवार रात 1:44 बजे पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। जवाब में पाकिस्तान ने जम्मू–कश्मीर में नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर रातभर भारी गोलाबारी की। इसमें 3 नागरिकों की मौत हो गई और 10 से ज्यादा लोग घायल हुए। भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूरञ्ज के तहत बहावलपुर समेत 9 ठिकानों को निशाना बनाया। बहावलपुर जैश–ए–मोहम्मद का बड़ा अड्डा है। सेना ने ङ्क पर पुष्टि की कि भीमबेर गली सेक्टर में पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया, जिसका जवाब दिया गया। पाकिस्तानी गोलाबारी से पुंछ के मनकोट में महिला की मौत हुई, उसकी 13 साल की बेटी घायल हो गई। पुंछ, राजौरी, कुपवाड़ा और उरी सेक्टर में मोर्टार और तोप से हमले हुए। लोगों को बंकरों में छिपना पड़ा। हालात को देखते हुए जम्मू, सांबा, कठुआ, राजौरी और पुंछ जिलों में आज सभी स्कूल–कॉलेज बंद हैं। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 नागरिक मारे गए थे। तब से यह जम्मू–कश्मीर में गोलीबारी की लगातार 13वीं रात रही।

'ऑपरेशन सिंदूर : जम्मू–कश्मीर में लगे 'भारत माता की जय के नारे

●बोले 'अब लाहौर में फहराएंगे तिरंगा

जम्मू–कश्मीर ,भारतीय सेना की ओर से पाकिस्तान और पीओके में की गई कार्रवाई को लेकर जम्मू में स्वागत किया जा रहा है। जम्मू–कश्मीर में स्थानीय लोगों ने 'भारत माता की जयङ्क, 'वंदे मातरमङ्क के नारे लगाए। इस दौरान स्थानीय लोगो में काफी ज्यादा उत्साह दिखाई दिया। स्थानीय लोगों ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जो कहा था, वह कर दिखाया। अभी मात्र 100 किलोमीटर तक घुसे हैं, 300 किलोमीटर तक जाना बाकी है। उत्साहित लोग बोले, हम इस्लामाबाद और लाहौर तक तिरंगा फैलाएंगे। स्थानीय लोगों ने कहा कि हम देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और एनएसए अजीत डोभाल को बधाई देते हैं। पूरे देश की मांग थी कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के लिए पाकिस्तान को सबक सिखाने का काम किया जाए। मंगलवार की रात लोग सोए रहे और भारत पाकिस्तान में तबाही मचाता रहा। सुबह पता चला कि आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया गया है। इस दौरान सैन्य कार्रवाई में आतंकियों के नौ ठिकाने ध्वस्त कर दिए गए। स्थानीय लोगों ने कहा कि आतंक के पनाहगाह पाकिस्तान के अंदर हाहाकार मचा हुआ है। पाकिस्तान को धराशायी करने का काम भारतीय सेना ने किया। वहीं, पुंछ के अंदर हमारी थल सेना मुंहतोड़ जवाब दे रही है। अभी मात्र 100 किलोमीटर तक घुसे हैं, 300 किलोमीटर तक जाना बाकी है।

9 आतंकी ठिकाने, 25 मिनट की एयर स्ट्राइक और सब बर्बाद

नई दिल्ली , 'ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारतीय सेना, वायुसेना और विदेश मंत्रालय ने संयुक्त प्रेस ब्रीफिंग की, जिसमें विदेश सचिव विक्रम मिस्री, वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह और भारतीय सेना की लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी शामिल हुईं। सैन्य अधिकारियों ने आतंकी ठिकानों पर किए गए हमले की क्लिप भी दिखाई।

प्रेस ब्रीफिंग में कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा, पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था। नौ आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया गया। पाकिस्तान में पिछले तीन दशकों से आतंकवादी इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो रहा था, जो पाकिस्तान और पीओके दोनों में फैला हुआ है। कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा, मैं आपको बताना चाहूंगी कि पीओजेके में पहला लक्ष्य मुजफ्फराबाद में सवाई नाला कैंप था, जो नियंत्रण रेखा से 30 किलोमीटर दूर स्थित है। यह लश्कर–ए–तैयबा का प्रशिक्षण केंद्र था। 20 अक्टूबर 2024 को सोनमर्ग, 24 अक्टूबर 2024 को गुलमर्ग और 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए हमलों में शामिल आतंकवादियों ने यहीं से प्रशिक्षण प्राप्त किया था। वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बताया, रात 1 बजकर पांच मिनट से 1 बजकर 30 मिनट के बीच हमला किया गया। पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों और उनके परिवारों को न्याय दिलाने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था।

'ऑपरेशन सिंदूर : भारत की एयर स्ट्राइक में मारे गए 70 से अधिक आतंकी

नई दिल्ली ,जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकियों के नौ ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की, जिसमें 70 से अधिक आतंकवादी मारे गए। ये हमले नौ लक्षित स्थानों– मुजफ्फराबाद, कोटली, बहावलपुर, रावलकोट, चकस्वरी, भीमबर, नीलम घाटी, झेलम और चकवाल में किए गए। इन हमलों में 60 से अधिक आतंकवादी घायल हो गए।'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में सरकार ने बुधवार सुबह मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि ये कार्रवाई नपी–तुली और गैर–उत्तेजित प्रकृति की, आनुपातिक और जिम्मेदाराना थी, जो पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद और भारत पर हमलों के निरंतर समर्थन के खिलाफ थी।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि लक्ष्यों का चयन विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर किया गया और इसका उद्देश्य आतंकी ढांचे को ध्वस्त करना और आतंकियों को बेदम करना था। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' सीमा पार आतंकवाद का जवाब देने और उसे रोकने के देश के अधिकार का प्रतिनिधित्व करता है। मिस्री के अलावा प्रेस कॉन्फ्रेंस को भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी और वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने भी संबोधित किया। उन्होंने पाकिस्तान स्थित आतंकी समूहों और उनके भारत पर हमलों से लक्षित ठिकानों के संबंधों पर प्रकाश डाला। नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइल हमलों के जरिए भारत ने दिखाया कि वह अब सीमा पार आतंकवाद या इसे बढ़ावा देने वाली सरकारी संस्थाओं की मिलीभगत को बर्दाश्त नहीं करेगा। भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना ने ऐतिहासिक अभियान में रात को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचे पर हमले किए।

सम्पादकीय

"ऑपरेशन सिंदूर" महज एक ट्रेलर

पहलगाम हमले के बाद से ही पूरा देश इस घटना में लिफ्ट आतंकवादियों को सबक सिखाने की राह देख रहा था। 22 अप्रैल को हुए इस हमले के बाद से ही भारत कूटनीतिक तरीके से पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई कर रहा था लेकिन पूरे देश की नजर उसे बड़ी कार्रवाई की तरफ थी जिसमें न केवल इन आतंकवादियों को मौत के घाट उतारा जाता बल्कि पाकिस्तान को भी एक संदेश दिया जाता कि भारत के खिलाफ कराची जाने वाले किसी भी षड्यंत्र को भारत सरकार सहन नहीं करेगी। इसी के तहत देर रात एक सटीक योजना के तहत पाकिस्तान में चल रहे आतंकी ठिकानों पर "सिंदूर ऑपरेशन" चलाया गया जिसे आतंकी केदो की कमर तोड़कर रख दी। सेवा के तीनों अंगों की संयुक्त कार्रवाई के तहत इसमें कुल 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया गया। इसमें 30 आतंकियों को ढेर किया गया है, 55 से अधिक घायल हुए हैं। यह सब ऑपरेशन सिंदूर के तहत किया गया। यह तो तय था कि भारत इस हमले के बाद कोई ऐसा कदम उठाएगी जिसकी गूंज न केवल पाकिस्तान बल्कि पाकिस्तान का समर्थन करने वाले संगठनों एवं देश तक भी पहुंचेगा। बीते 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से पूरे देश में आक्रोश था। भारतीय वायुसेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में स्थित प्रतिबंधित जैश–ए–मोहम्मद, लश्कर–ए–तैयबा और हिज्बुल मुजाहिदीन के नौ आतंकी ठिकानों पर रात में छापेमारी की, जिसकी भनक तक पाकिस्तान के सैया अवसरों को नहीं लग पाई। चंद घंटे में अंजाम दी गई कार्रवाई में ही पाकिस्तान को पता चल गया होगा कि भारत के लिए पाकिस्तान के नापाक मंसूबों को कुचलना बस चंद घंटे का ही काम है। हालांकि इस बड़ी कार्रवाई के बावजूद भी मोस्ट वांटेड आतंकवादी हाफिज सहित के मरने की सुखद खबर नहीं आई लेकिन जिस प्रकार से वायु सेना ने आतंकी संगठनों के ठिकानों को ध्वस्त किया गया उसके बाद आतंकी सरगनाओ की भी रातों की नींद उड़नी तय है। भारत अभी इसी ऑपरेशन से बस करने वाला नहीं है क्योंकि न केवल सीमा पर बल्कि देश के अंदर भी ऐसी नापाक घटनाओं को समर्थन देने वालों की बहुत बड़ी तादाद है। समय आ गया है कि बाहरी दुश्मनों से लड़ने के साथ–साथ देश के अंदर ही छिपे गद्दारों का भी चयन करना होगा। जब तक आंतरिक सफाई नहीं होगी तब तक सीमा पार से इस प्रकार की घटनाएं यदा–कदा देखने सुनने को मिलती रहेगी। पाकिस्तान को यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि "ऑपरेशन सिंदूर" तो बस ट्रेलर मात्र है, यदि उसने अपनी हरकतों को विराम नहीं दिया तो पाकिस्तान को मिटाना भारत के लिए कोई बड़ी चुनौती नहीं है।

हमले का निर्णायक स्प से जवाब दे सरकार

अजीत द्विवेदी

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में धर्म पूछ कर नरसंहार की जो घटना हुई है वह एक गंभीर खतरे का संकेत है। इस खतरे के छोटे छोटे संकेत पहले से मिल रहे थे। पिछले कुछ समय से राज्य में लक्षित हमले बढ़े हैं। बाहरी लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। मजदूरों पर हमले हो रहे हैं।

इससे पहले आमतौर पर कहा जाता था कि बाहरी लोग या पर्यटक स्थानीय अर्थव्यवस्था में योगदान देते हैं इसलिए आतंकवादी उन पर हमला नहीं करते हैं। उनको लगता है कि पर्यटकों पर हमले से स्थानीय लोग नाराज होंगे, जिससे उनका समर्थन घटेगा। स्थानीय लोगों के समर्थन के बगैर आतंकवादियों का टिकना मुश्किल है।

तभी सवाल है कि आतंकवादियों ने पर्यटकों पर हमला नहीं करने के अघोषित नियम को क्यों तोड़ा है? क्या अब उनको स्थानीय लोगों के समर्थन की जरुरत नहीं है या स्थानीय लोग भी छोटे छोटे आर्थिक लाभ की बजाय किसी बड़ी योजना के लिए इस तरह की कार्रवाई को जरूरी समझने लगे हैं और मूक समर्थन दे रहे हैं?

जो हो इसे नए दौर की शुरुआत मान सकते हैं। यह भी मानना चाहिए कि यह अनायास नहीं हुआ है। ऐसा नहीं है कि अचानक एक दिन लश्कर ए तैयबा ने फैसला किया कि स्थानीय लोग चाहे जो सोचें, अब पर्यटकों पर हमला करना है और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सपोर्ट करने वाले सिस्टम को नष्ट करना है। यह किसी बड़ी और सोची समझी योजना का हिस्सा है, जिसका इशारा पिछले दिनों पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने किया था।

उन्होंने हिंदू और मुस्लिम के दो अलग अलग राष्ट्र होने की बात कही थी। उसमें उन्होंने दोनों की रहन सहन, खानपान आदि की विभिन्नता के साथ साथ दोनों की महत्वाकांक्षाएं अलग होने की बात भी कही थी। उन्होंने मुस्लिम समाज की अलग महत्वाकांक्षा की बात नए दौर की नई रणनीति के तहत की है।

पाकिस्तान के सेना प्रमुख के इशारे को समझ कर भारत की खुफिया एजेंसियों को अलर्ट हो जाना चाहिए था। अगर खुफिया और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट होतीं तो इस घटना को टाला जा सकता था। यह हैरानी की बात है कि लश्कर ए तैयबा से जुड़े द रसिस्टेंस फ्रंट की ओर से बाहरी लोगों पर लक्षित हमले हो रहे हैं लेकिन यह संगठन बड़ा हमला कर सकता है इसका अंदाजा नहीं लगाया गया।

यह भी तथ्य सुरक्षा बलों को पता है कि पहले 90 फीसदी आतंकवादी स्थानीय होते थे, जो पर्यटकों पर हमले नहीं करते थे या लक्षित हमले नहीं करते थे, लेकिन अब ज्यादातर आतंकवादी बाहरी हैं, जिनके लिए स्थानीय लोगों की भावनाएं बहुत मैटर नहीं करती हैं।

ऊपर से पाकिस्तान के सेना प्रमुख की भड़काऊ बातें। इन सब के बावजूद सारी चीजें रूटीन के अंदाज में हो रही थीं। हालांकि यह सवाल उठ रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 19 अप्रैल का कश्मीर दौरा क्यों टला था? उनको जम्मू से श्रीनगर की ट्रेन को हरी झंडी दिखानी थी लेकिन ऐन मौके पर कहा गया कि खराब मौसम की चेतावनी के कारण उनकी यात्रा टाल दी गई है। हालांकि पिछले पांच दिन में बहुत खराब मौसम की कोई सूचना नहीं है। सो, क्या किसी खुफिया सूचना के आधार पर यात्रा टाली गई थी? अगर आतंकवादियों की गतिविधियों को लेकर कोई सूचना थी तो उस हिसाब से सुरक्षा बलों की तैनाती क्यों नहीं की गई थी? पर्यटकों की सुरक्षा के लिए भी अतिरिक्त बंदोबस्त क्यों नहीं किए गए थे?

पहलगाम के जिस इलाके में आतंकवादियों ने हमला किया है वह

पर्यटकों की पसंदीद जगह है। बताया जा रहा है कि पिछले चार महीने में करीब 25 लाख लोग पहलगाम पहुंचे, जिसमें से 23 लाख लोग इस घाटी में गए। फिर भी वहां दूर दूर तक सुरक्षा बलों का कोई जवान तैनात नहीं था। आतंकवादी जंगल से निकले और 20 मिनट तक हिंसा का तांडव करते रहे और जंगल में भाग गए। इस दौरान कोई प्रतिरोध नहीं हुआ। एक भी जवाबी फायरिंग नहीं हुई।

सोचें, घाटी में आतंकवादियों के अत्याधुनिक हथियारों से फायरिंग की गूंज कहां तक जा रही होगी फिर भी 20 मिनट तक कोई फोर्स नहीं आई! इसका मतलब है कि दो किलोमीटर के दायरे में कहीं भी सुरक्षा बल के जवान नहीं थे। क्या इसे बड़ी लापरवाही नहीं मानेंगे? क्या खुफिया और सुरक्षा बलों को यह ध्यान नहीं था कि भारत में जब भी कोई हाई प्रोफाइल विजिट होती है तो आतंकवादी उसमें खलल पैदा करने का प्रयास करते हैं।

याद करें कैसे सन 2000 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की भारत यात्रा के समय चित्तिसिंहपुरा नरसंहार हुआ था, जिसमें आतंकवादियों ने सिखों की हत्या की थी। अब फिर अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस भारत में हैं और आतंकवादियों ने धर्म की पहचान करके नरसंहार कर दिया।

ध्यान रहे जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने और विशेष राज्य का दर्ज समाप्त होने के बाद पूरे देश में कश्मीर को लेकर एक सकारात्मक धारणा बनी। राज्य में सुरक्षा व्यवस्था बेहतर होने और जम्मू कश्मीर के मुख्यधारा में शामिल होने की धारणा भी मजबूत हुई। इस वजह से पर्यटन बढ़ने लगा था और सरकार के आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल यानी 2024 में दो करोड़ 30 लाख पर्यटक कश्मीर गए थे।

राज्य में बरसों के बाद चुनाव हुआ और लोकतांत्रिक सरकार का गठन हुआ। परंतु इस एक हमले ने पूरी धारणा बदल दी। यह हमला इसी मकसद से किया गया था ताकि घाटी में हालात सामान्य होने की सकारात्मक धारणा को बदला जा सके। शांति का माहौल बिगाड़ा जा सके और लोगों में भय का माहौल पैदा किया जाए। यह स्थिति पाकिस्तान के हुक्मरानों को सूट करती है।

चूंकि पाकिस्तान में हालात लगातार बिगड़ रहे है। आर्थिक तौर पर वह दिवालिया होने की कगार पर है तो भू राजनीतिक स्थितियों के हिसाब से देखें तो उसका बाल्कनाइजेशन स्पष्ट दिख रहा है। बलूचिस्तान से लेकर सिंध तक अलगाववादी आंदोलन तेज हो रहे हैं। पिछले दिनों बलूच विद्रोहियों ने क्वेटा में पाकिस्तान की ट्रेन अगवा करके पाकिस्तानी ऑथोरिटी को चुनौती दी। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को जेल में बंद करके पाकिस्तान की सत्ता और सेना दोनों ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित किया है। इन सब कारणों से ध्यान भटकाने के लिए पाकिस्तानी सेना के पास एकमात्र भावनात्मक मुद्दा कश्मीर का है।

भारत की ओर से भी बार बार पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को छुड़ाने या उसे हासिल करने के दावे किए जा रहे हैं, जिससे पाकिस्तानी सेना को भारत विरोधी कार्रवाई करने का आधार मिलता है। इन सबका मिला जुला असर यह हुआ है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और पाकिस्तानी सुरक्षा बल ज्यादा आक्रामक तरीके से जम्मू कश्मीर में घुसपैठ करा रहे हैं और बाहरी आतंकवादियों को भेज कर घाटी का माहौल बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

अब जरूरी है कि सरकार इस हमले का निर्णायक रूप से जवाब दे। हर बार ऐसे हमले होते हैं तो कहा जाता है कि अब ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होने दी जाएंगी। लेकिन दोबारा भी घटनाएं होती हैं। पुलवामा में सीआरपीएफ के जवानों पर हमले की घटना के बाद यह दूसरी बड़ी घटना है। सवाल है कि क्या पुलवामा घटना की जांच ठीक से हुई? क्या पता चला कि कैसे उतनी मात्रा में विस्फोटक आया और कैसे हमलावर काफिले में शामिल होने में कामयाब रहा? क्या किसी को इस विफलता के लिए जिम्मेदार ठहरा कर कार्रवाई की गई? उलटे इसका राजनीतिक लाभ लिया गया।

अगर पहले की घटनाओं से सबक लेकर खुफिया और सुरक्षा तंत्र को मजबूत किया जाता और आतंकवादियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई होती तो शायद यह नौबत नहीं आती। भारतीय सेना के हवाले रोज खबर आती है कि सीमा पार अब भी आतंकवादियों का नेटवर्क पूरी तरह से कायम है। फिर घुस कर मारने की बातों का क्या मतलब है?

भारत सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि पहलगाम नरसंहार आखिरी है। स्थानीय लोगों का समर्थन उसके साथ है, विश्व बिरादरी भारत के साथ है और सैन्य व तकनीकी रूप से भारत इतना सक्षम है कि वह पड़ोसी देश की सीमा में घुस कर आतंकवादियों का नेटवर्क ध्वस्त कर सके। इसके सिवा जम्मू कश्मीर में शांति, समृद्धि और लोकतंत्र बचाने का दूसरा कोई रास्ता नहीं है।

गैर बैंकिंग संस्थाओं पर सरकार का नियंत्रण जरूरी है

हिमानी रावत

एक समय हमारे देश के ग्रामीण जन साहूकारों के चंगुल में फंसे हुए थे। वर्षा आधारित कृषि व्यवस्था होने की वजह से फसल से आय होना अनिश्चित था, इस वजह से हमारे किसान साहूकारों से कर्ज लेकर एक तरह से खुद को गिरवी रख देते थे। पिछले दो–तीन दशकों में स्थिति बदली। सहकारिता और राष्ट्रीयकृत बैंकों की वजह से किसानों को कर्ज लेने में आसानी हुई, लेकिन उदारीकरण के दौर में जिस तरह से निजी बैंकिंग क्षेत्र का हस्तक्षेप बढ़ा वैसे–वैसे फिर से किसान परेशानी में आ गए हैं। हाल ही में एक आर्थिक रिपोर्ट के अनुसार भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र में ऋण का बढ़ता स्तर चिंता का विषय है। कुछ गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियां ग्रामीणों की आर्थिक विवशता का दुरुपयोग कर उनका शोषण कर रही हैं। ऐसे ऋणों की मार्केटिंग बेहद आक्रामक तरीके से ऐसे की जाती है कि ऋण लेने वाले इनके दीर्घकालिक वित्तीय परिणामों से वाकिफ नहीं हो पाते और कर्ज के जाल में फंस जाते हैं। इन पर नकेल कसना जरूरी है। दरअसल, इस संकट के मूल कारणों में से एक, देश के ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के पर्याप्त अवसरों का अभाव है। आर्थिक वृद्धि का लाभ भी पर्याप्त रूप से रोजगार सृजन में नहीं दिखा है, खासतौर पर गैर–कृषि क्षेत्रों में ऋण की आसान पहुंच और चौबीस घंटे डिलिवरी सेवाओं के प्रसार से ग्रामीण क्षेत्रों में खपत की स्थिति बढ़ी है। लोगों को गैर–जरूरी वस्तुओं और सेवाओं के वास्ते ऋण लेने के लिए लुभाया जा रहा है जिससे वे और अधिक कर्ज के जंजाल में फंस रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के परिवार, रोजमर्रा की अपनी जरूरतों के लिए भी ऋण की राशि पर निर्भर हो रहे हैं ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आय के स्रोत अनिश्चित हैं और यह मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर है। यह अप्रत्याशित मॉनसून, जिंसों की उतार–चढ़ाव वाली कीमतों और बढ़ती इनपुट लागत से भी प्रभावित होती है। गैर बैंकिंग संस्थाएं इस अंतर का फायदा उठा रहे हैं और रोजमर्रा की खपत के लिए ऋण अधिक ब्याज दरों पर देते हैं। इसमें ऋणों का रॉल ओवर चक्र एक अहम हिस्सा है। इसका सबसे बड़ा संस्थागत उदाहरण फसल ऋण है। सरकार हर वर्ष, किसानों को फसल ऋण का वितरण करने के लिए बैंकों के लिए महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करती है। इन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए बैंकों पर दबाव होता है जिसके कारण अक्सर ऋणों का वितरण तेजी से यह सुनिश्चित किए बिना ही कर दिया जाता है कि इनका उपयोग उत्पादक तरीके से किया जाएगा या नहीं। इस ऋण का इस्तेमाल उत्पादक कृषि निवेश के लिए किए जाने के बजाय, तत्काल जरूरतों को पूरा करने या पुराने ऋण का भुगतान करने के लिए किया जाता है जिससे ग्रामीण ऋण संकट गहरा जाता है। कुछ बैंक जिनकी सार्वजनिक जमाओं तक कम लागत के साथ पहुंच है वे भी गैर बैंकिंग नेटवर्क की तुलना में कभी–कभी सूक्ष्म ऋण पर, उच्च ब्याज दर वसूल रहे हैं। अगर गैर बैंकिंग क्षेत्र की जांच–पड़ताल उनके ब्याज दरों के लिए की जा रही है तब क्या इस लिहाज से बैंकों की जांच नहीं की जानी चाहिए? ग्रामीण क्षेत्रों में ऋण की लागत कर्ज लेने वाले की भुगतान क्षमता के मुकाबले गैर–आनुपातिक तरीके से बढ़ रही है जिसके चलते ऋण का चक्र और जटिल हो रहा है।ग्लोबल डेवलपमेंट इन्क्यूबेटर की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्र के 50 प्रतिशत से अधिक लोगों की आमदनी का प्राथमिक स्रोत खेती है लेकिन इनमें से अधिकांश लोग बेहतर मौके पाने के लिए खेती छोड़ने के लिए तैयार हैं।

ट्रंप विरोधी राष्ट्रवाद

ट्रंप ने अपने जुबानी तीर से कनाडा की संप्रभुता पर जिस तरह निशाने साधे, वही कनाडा के आम चुनाव में निर्णायक मुद्दा साबित हुआ। वरना, ट्रुडो की सरकार इतनी अलोकप्रिय कि लिबरल पार्टी का सत्ता में लौटना नामुमकिन लगने लगा था।

ये वाजिब सवाल होगा कि कनाडा के चुनाव नतीजों को अमेरिकी राष्ट्रपति के खिलाफ जनादेश कैसे कहा जा सकता है। लेकिन हकीकत यही है कि डॉनल्ड ट्रंप ने अपने जुबानी तीर से कनाडा की संप्रभुता पर जिस तरह निशाने साधे, वही कनाडा के आम चुनाव में निर्णायक मुद्दा साबित हुआ। वरना, पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो की सरकार इतनी अलोकप्रिय हो गई थी कि लिबरल पार्टी का सत्ता में लौटना नामुमकिन लगने लगा था। दरअसल, ट्रुडो को नेतृत्व छोड़ना ही इसलिए पड़ा, क्योंकि पार्टी अपने को सियासी संकट में पा रही थी। मगर ट्रंप के ह्वाइट हाउस में प्रवेश के साथ कनाडा की राजनीति ने करवट लेना शुरू किया। पिछले साल के आखिर तक अगले प्रधानमंत्री के रूप में देखे जा रहे कंजरवेटिव पार्टी के नेता पियरे पॉलिवर ने अपनी छवि कनाडा के ट्रंप के रूप बना रखी थी। ट्रंप जैसी नीतियों के जरिए कनाडा के आर्थिक संकट को दूर करने का उनका वादा काम करता दिख रहा था। लेकिन जब असली ट्रंप का आक्रामक रूप दुनिया के सामने आया, जिसकी चपेट में कनाडा भी आ गया, तो वहां के लोगों में विपरीत प्रतिक्रिया होना लाजिमी ही था। पॉलिवर ने नए माहौल में ट्रंप विरोधी तेवर अपनाए, कनाडा की संप्रभुता की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई, लेकिन तब तक माहौल बदल चुका था। अब साफ है कि मतदाताओं ने ट्रंप के हमलों से कनाडा की रक्षा करने के लिहाज से लिबरल पार्टी के नए नेता मार्क कार्नी को अधिक सक्षम माना है। कार्नी ने अमेरिकी बैंक गोल्डमैन शैक्स से करियर शुरू किया और बैंक ऑफ कनाडा तथा बैंक ऑफ इंग्लैंड के गर्वनर रह चुके हैं। नव–उदारवाद और मुक्त व्यापार के पैरोकार हैं।

सितारे जमीन पर की रिलीज डेट का हुआ ऐलान

आमिर खान की मोस्ट अवेटेड स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म सितारे जमीन पर का उनके फैंस को बेसब्री से इंतजार है. आमिर खान अपनी इस फिल्म पर कई बार बोल चुके हैं और इसलिए उनके फैंस इस फिल्म के इंतजार में बैठे हैं. ऐसे में आमिर ने अपने फैंस को ज्यादा इंतजार ना कराते हुए फिल्म सितारे जमीन पर की रिलीज डेट का आधिकारिक तौर पर एलान कर दिया है. आमिर खान प्रोडक्शन के सोशल मीडिया पेज पर फिल्म की रिलीज डेट और फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया गया है. आमिर खान प्रोड्क्शन ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर इसकी जानकारी दी है. उन्होंने लिखा है, वो फिल्म जो प्यार, हंसी और खुशियों को सेलिब्रेट करती है, सितारे जमीन पर, सबका अपना–अपना नॉर्मल 20 जून 2025 को थिएटर में रिलीज होने जा रही है. फिल्म की रिलीज डेट के साथ फर्स्ट लुक पोस्टर भी जारी

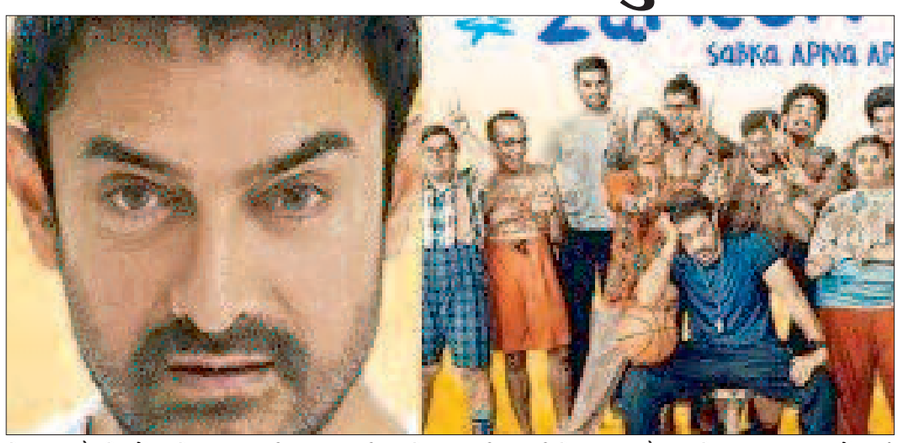

किया गया है, जिसमें आमिर खान अपनी बास्केट बॉल टीम के साथ बैठे हैं और पीछे उनकी टीम के खिलाड़ी अलग–अलग अंदाज में खड़े हैं. वहीं, पोस्टर में एक तस्वीर आमिर खान की ऊपर भी दिख रही है. फिल्म को आर. एस प्रसन्ना ने डायरेक्ट किया है. फिल्म के प्रोड्यूसर आमिर खान और उनकी पूर्व पत्नी किरण राव है. यह फिल्म साल 2018 में आई स्पेनिश फिल्म चैंपियंस से ली गई है. फिल्म की सिनेमैटोग्राफी जी श्रीनिवस रेड्डी ने की है.

रोहित शर्मा ने उतारी टेस्ट जर्सी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया। बुधवार शाम एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए हिटमैन ने इस फॉर्मेट को अलविदा कहा। रोहित ने कहा कि सफेद जर्सी में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। इतने सालों में मिले प्यार और समर्थन के लिए आप सभी का शुक्रिया। मैं वनडे फॉर्मेट में भारत का प्रतिनिधित्व करना जारी रखूंगा। इस बीच आइए रोहित की यादगार टेस्ट पारियों पर एक नजर डालते हैं।

ड्रीम डेब्यू

रोहित शर्मा ने 2013 में कोलकाता के ईडन गार्डन्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ 177 रनों की शानदार पारी खेलकर टेस्ट क्रिकेट में अपने आने का एलान किया। उन्होंने 301 गेंदों का सामना किया था और 23 चौकों के साथ ही 1 छक्का लगाा था। अपनी इस पारी के चलते रोहित ने भारत को संकट से बाहर निकला था। रविचंद्रन अश्विन के साथ उन्होंने 280 रन जोड़े थे। अश्विन और रोहित शर्मा की 280 रन की साझेदारी टेस्ट मैचों में 7वें

विकेट के लिए भारत की सबसे बड़ी साझेदारी थी। इसने वीवीएस लक्ष्मण और एमएस धोनी के बीच 259 रन के रिकॉर्ड को तोड़ दिया था। भारत ने यह मैच 51 रन से जीता था।

ओपनिंग का मौका मिला

डेब्यू के 6 साल बाद अक्टूबर 201 रोहित को विशाखापत्तनम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ओपनिंग करने का मौका मिला। रोहित ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया और 244 गेंदों पर 23 चौकों और छह छक्कों की मदद से 176 रनों की शानदार पारी खेली। मयंक अग्रवाल के साथ मिलकर रोहित ने 317 रनों की ओपनिंग साझेदारी की। भारत ने यह मैच 203 रन से जीता।

दोहरा शतक

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। रांची में खेले गए तीसरे टेस्ट में हिटमैन ने 212 रनों की धमाकेदार पारी खेली। उनकी 255 गेंदों की पारी में 28 चौके और छह छक्के जड़े थे। इस पारी के चलते भारत ने 497 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। भारत ने यह टेस्ट पारी और 202 रन से जीता। रोहित 529 रनों के साथ सीरीज के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए।

इंग्लैंड में चला बल्ला

सितंबर 2021 में ओवल में रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट की दूसरी पारी में 127 रन जड़कर आलोचकों को चुप करा दिया। स्विंग और सीम की चुनौतियों का समना करते हुए रोहित ने भारत की पारी को संभाला। भारत ने 157 रनों से इस मुकाबले को जीता था।

भूल चूक माफ का बोनस ट्रेलर लॉन्च

हाल ही में राजकुमार राव और वामिका गब्बी की बहुचर्चित फिल्म भूल चूक माफ का बोनस ट्रेलर निर्माताओं द्वारा रिलीज किया गया है, जो दर्शकों के लिए एक तोहफा है। इस ट्रेलर में अभिनेता अपनी शादी के लिए तमाम उपायों को करते नजर आ रहे हैं और वह अपनी हल्दी की ही रश्म में फंसे दिख रहे हैं। भूल चूक माफ फिल्म के निर्माताओं ने दर्शकों को तोहफा देते हुए फिल्म का बोनस ट्रेलर लॉन्च किया है। एक मिनट 21 सेकेंड के इस बोनस ट्रेलर की शुरुआत में वामिका शादी के लिए राजकुमार राव को भगा लाती हैं। इसके बाद ट्रेलर में राजकुमार राव शादी करने के लिए तमाम उपायों को करते नजर आते हैं, जैसे सरकारी नौकरी खोजना, गाय को रोटी के साथ गुड़ खिलाना आदि। इसके साथ ही वह ट्रेलर में दो दिनों से हल्दी की रस्म में ही फंसे हुए हैं। इस रोमांटिक–कॉमेडी फिल्म के बोनस ट्रेलर में हंसी का डोज भरपूर है।भूल चूक माफ फिल्म के बोनस ट्रेलर को अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, ह्वारंजन बनाना चाहता है तितली को अपनी पत्नी, पर भसड़ से भरी है उसकी जिंदगी।

पलक तिवारी की रोमियो एस3 का पहला पोस्टर जारी

गुड्डू धनोआ निर्देशित फिल्म ह्यरोमियो एस3ह्ल का पहला लुक पोस्टर सामने आया है। इस पोस्टर में बॉलीवुड में कुछ वक्त पहले ही शुरुआत करने वाली एक एक्ट्रेस नजर आ रही हैं। साथ ही फिल्म के पोस्टर से साफ लगता है कि यह एक एक्शन फिल्म होने वाली है। जानिए, इसके लीड एक्टर्स कौन हैं? और इसकी कहानी क्या है?

फिल्म ह्यरोमियो एस3ह्ल में पुलिस ऑफिसर के रोल में ठाकुर अनूप सिंह हैं और पलक तिवारी हीरोइन बनी हैं। यह फिल्म 16 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पलक तिवारी ने कुछ वक्त पहले ही अपना बॉलीवुड करियर शुरू किया है, वह टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी हैं।

गुजरात से हारने के बाद मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या ने नो–बॉल पर बोली बड़ी बात

मुंबई,। वानखेड़े में बारिश से बाधित मैच में गुजरात टाइटन्स ने मुंबई इंडियंस को 3 विकेट से हराकर अंक तालिका में 16 पॉइंट्स के साथ टॉप पर पहुंच गई है. अब उन्हें प्लेऑफ की सीट कंफर्म करने के लिए 3 मैचों में केवल एक मैच जीतने होंगे.वहीं दूसरी ओर इस हार से मुंबई इंडियंस की जहां लगातार 6 जीत के अभियान पर रोक लग गई वहीं उन्हें सबसे बड़ा झटका ये लगा कि अब एमआई को प्लेऑफ की सीट पक्की करने के लिए बाकी बचे हुए दोनों मैच जीतने होंगे. मुंबई के 12 मैचों के बाद 14 पॉइंट्स हैं.मैच हारने के बाद मुंबई के कप्तान हार्दिक

पांड्या ने नो बॉल को मैच हारने का जिम्मेदार ठहरा दिया. उन्होंने कहा कि करीबी और रोमांचक मैच में नो बॉल करना मेरी नजर में एक अपराध है. उन्होंने कहा कि दो नो–बॉल मेरे द्वारा फेंकी गई और एक दीपक चाहर द्वारा अंतिम ओवर में फेंकी गई, जो बहुत कम अंतर से तय हुए मैच में महंगी साबित हुई.बता दें कि 147 के पुनर्निर्धारित लक्ष्य के अंतिम ओवर में 15 रन का बचाव करते हुए, दीपक चाहर ने महत्वपूर्ण क्षण में नो–बॉल किए जाने से मुंबई की उम्मीदें धराशायी हो गईं. इससे पहले, आठवें ओवर में पांड्या ने नो–बॉल कर के अपने ओवर में 18 रन खर्च कर दिए थे. पंड्या ने ये भी कहा कि इस नो बॉल ने निश्चित रूप से हमें नुकसान पहुंचाया, लेकिन मुझे हमारे द्वारा दिखाए गए संघर्ष पर गर्व है.

एक नजर

पूर्व सैनिकों ने विद्यालय को दिए पंखे

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पूर्व सैनिक संघर्ष समिति ने राजकीय इंटर कालेज जयदेवपुर को पंखे भेंट किए। पंखे भेंट करने पर प्रधानाचार्य सोबेंद्र जोशी ने पूर्व सैनिक संघर्ष समिति का आभार जताया।

पूर्व सैनिक संघर्ष समिति के अध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह ने कहा कि अब गर्मी का मौसम आ गया है। गर्मी के मौसम में बच्चों को पठन-पाठन में दिक्कत न हो, इसके लिए समिति से जुड़े लोगों ने विद्यालय में पंखे भेंट करने का निर्णय लिया। कहा कि पूर्व सैनिक हमेशा से ही समाज के प्रति सेवा का भाव रखता है। इस अवसर पर देवेंद्र सिंह रावत, अनसूया प्रसाद सेमवाल, सुरेंद्र सिंह मौजूद रहे।

अफसर बिना अनुमति मुख्यालय न छोड़े : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिलाधिकारी डा. आशीष चौहान ने बुधवार को एनआईसी कक्ष में आयोजित बैठक में मानसून सीजन को लेकर संबंधित विभागों की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने मानसून अवधि के दौरान सभी अफसरों के अवकाश पर रोक लगाते हुए कहा कि बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ने पर संबंधित अफसरों की जवाबदेही तय करते हुए नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने सभी उप जिलाधिकारियों को आवासीय क्षेत्रों के आसपास खतरनाक पेड़ों और जर्जर भवनों की सूची तैयार करने, तहसीलों में आपदा से जुड़े उपकरण व सेटेलाइट फोन सक्रिय अवस्था में रखने को भी कहा। बुधवार को आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने लोनिवि को सभी नालियों और स्कपर की सफाई कराने, जेसीबी मशीनें तैनात करने, अभियंताओं व जेसीबी ऑपरेटर के मोबाइल नंबरों का डेटा तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने 15 दिनों के भीतर जेसीबी, एंबुलेंस व पेयजल टैंकरों की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने उप जिलाधिकारी श्रीनगर को फरासू, चमधार और सिरोबगड़ जैसे भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने और संबंधित विभागों के साथ समंवय स्थापित कर कार्य करने के निर्देश दिये। डीएम ने शिक्षा विभाग को पैदल जाने वाले स्कूलों को चिन्हित करने, मानसून काल के दौरान क्षतिग्रस्त पेयजल लाइनों की मरम्मत व विद्युत विभाग को पेड़ों में झूल रहे बिजली के तारों को सुरक्षित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत, डीएफओ स्वप्निल अनरुद्ध, एडीएम अनिल सिंह गर्ब्याल, पीडी डीआरडीए विवेक कुमार उपाध्याय आदि शामिल रहे।

सार्वजनिक स्थान पर शराब पीना युवकों को पड़ा महंगा

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिले की पुलिस अभियान चलाकर सार्वजनिक स्थलों पर शराब का सेवन करने वाले अराजक तत्वों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान टेका रोड पर चार युवकों को खुलेआम सड़क किनारे शराब का सेवन करने पर गिरफ्तार कर वाहन को सीज कर चालानी कार्रवाई की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लोकेश्वर सिंह ने बताया कि सभी थानाध्यक्षों को सार्वजनिक स्थलों पर शराब पीकर हुडदंग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए है। बताया कि टेका रोड पर सड़क किनारे शराब पीने पर हरियाणा निवासी करन, नौगांव निवासी गजपाल सिंह, नौगांव मंडालू निवासी करन चौहान व सुमित चौहान के खिलाफ कार्रवाई की है।

महाविद्यालय में गूंजे भारत माता की जय के नारे

एयर स्ट्राइक पर विस अध्यक्ष व विद्यार्थियों ने जताई खुशी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से की गई एयर स्ट्राइक पर विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण व महाविद्यालय कोटद्वार के विद्यार्थियों ने खुशी व्यक्त की है। कहा कि भारत ने पाकिस्तान में पनप रहे आतंकवाद को कड़ा जवाब दिया है। हर भारतीय को अपनी सेना पर गर्व है। बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण महाविद्यालय कोटद्वार में पहुंची। यहां उन्होंने महाविद्यालय के विद्यार्थियों कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर भारत माता की जय के नारे लगाए। पूरा महाविद्यालय भारत माता की जयकारों से गूंज उठा। विधानसभा अध्यक्ष ने आपरेशन सिंदूर का स्वागत करते हुए कहा कि पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को तबाह कर भारत ने पहलगाम हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी है। कहा कि हर भारतीय के लिए गौरवमय पल है। केंद्र सरकार ने भारतीय सेना को पाकिस्तान पर कार्रवाई के लिए खुली छूट दी है। कहा कि हमें अपने देश के सैनिकों पर पूरा भरोसा है। हमारी सेना आतंकवाद को कड़ा जवाब देगी। कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान को संदेश दे दिया है कि भारत कितना शक्तिशाली देश है।

कोटद्वार के राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में भारत माता के जयकारे लगाते विधानसभा अध्यक्ष सहित अन्य

बारिश के दौरान नालियां हुई चौक, पानी-पानी हुई सड़कें

बुधवार दोपहर हुई बारिश के दौरान देवी रोड में सड़क पर भरा पानी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बुधवार दोपहर को हुई बारिश से जहां आमजन को गर्मी से निजात मिली। वहीं, बारिश के कारण नालियां चौक होने से सड़कों पर जल भराव भी देखने को मिला। ऐसे में आमजन को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ा। सबसे बुरी स्थिति देवी रोड में बनी हुइ थी।

बुधवार सुबह शहर में धूप थी। लेकिन, दोपहर बाद अचानक मौसम का मिजाज बदला और तेज बारिश होने लगी। बारिश से जहां लोगों को गर्मी से निजात मिली।

वहीं, सड़कों पर हुए जल भराव ने चुनौती भी खड़ी कर दी। देवी रोड, झंडाचौक सहित अन्य कई स्थानों पर घुटने-घुटने तक पानी भर गया। सबसे अधिक परेशानी पैदल चलने वालों को उठानी पड़ी। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब हल्की बारिश में ही शहर की स्थिति बेपटरी हो गई तो वर्षा काल में चुनौती और अधिक बढ़ जाएगी। कहा कि नगर निगम को नालियों की गंभीरता से सफाई करवानी चाहिए, जिससे वर्षा के पानी की बेहतर तरीके से निकासी हो सके। शहरवासियों ने जल्द से जल्द व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की मांग उठाई।

मॉक ड्रिल कर बच्चों को बताए सुरक्षा के तरीके

पब्लिक इंटर कालेज सुरखेत में बच्चों को जानकारी देते शिक्षक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भारत और पाकिस्तान के बीच चल रही युद्ध की स्थिति को देखते हुए विद्यालयों में मॉक ड्रिल करवाई जा रही है। इसी के तहत यूनिकस अकादमी में माक ड्रिल का अभ्यास किया गया। जिसमें शिक्षकों व विद्यार्थियों को स्वयं के साथ ही अन्य लोगों की सुरक्षा के तरीके बताए गए। वहीं, पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत में भी मॉक ड्रिल करवाई गई।

अकादमी परिसर में आयोजित मॉक ड्रिल में प्राकृतिक आपदों के साथ ही युद्ध के दौरान बचाव के तरीके बताए गए। कहा कि ऐसी स्थिति में हमें घबराने के बजाय संयम से कार्य लेना चाहिए। किसी ऐसे सुरक्षित स्थान का चयन करें। जहां किसी भी तरह का खतरा न हो। प्रधानाचार्य मान सिंह सुब्बा ने कहा कि हमें जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का प्रयास करना चाहिए। वहीं, पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत में भी बच्चों को युद्ध जैसी स्थित में बचाव के तरीके बताए गए।

बच्चों को हमले की स्थिति में सायरन परीक्षण, ब्लैक आउट, छलावरण अभ्यास और निकासी रिहर्सल भी करवाई गई। साथ ही जानकारी को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की भी अपील की गई।

चौपाल में अधिकारी ने सुनी समस्याएं

पौड़ी : पशुपालन विभाग की ओर से राजस्व ग्राम पाताल गूठ में चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में ग्रामीणों ने अफसरों को विभिन्न समस्याएं बताई। चौपाल में सात शिकायतें दर्ज हुई, जिसमें से चार समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया। जबकि शेष शिकायतें संबंधित विभागों को निस्तारण के लिए भेजी गई है।

यात्रा पर बसें, सहारनपुर बस सेवा बंद

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखंड परिवहन निगम के कोटद्वार डिपो की नौ बसें चार धाम यात्रा में चली गई हैं। बसों से यात्रा में जाने से जहां सहारनपुर बस सेवा बंद हो गई है, वहीं पर्वतीय क्षेत्रों की लंबी रूट की बसों पर भी असर पड़ा है। उत्तराखंड परिवहन निगम के कोटद्वार डिपो को हाल ही में आवंटित हुई बीएस-6 स्तर की नौ बसों को चारधाम यात्रा में भेज दिया गया है। इन बसों का संचालन पौड़ी-दिल्ली, तिरपालीसैण-दिल्ली व वीरोंखाल-दिल्ली मार्गों में किया जा रहा था। बसों के चारधाम यात्रा में जाने के बाद अब डिपो की ओर से इन मार्गों पर बीएस-4 स्तर की बसें लगाई गई हैं।

पूर्व निर्धारित समय सारणी के अनुरूप बीएस-4 स्तर की बसें पर्वतीय मार्गों पर जा रही हैं व वहां से दिल्ली की सवारियों को लेकर कोटद्वार पहुंच रही हैं। बस के कोटद्वार पहुंचते ही यात्रियों को दिल्ली रूट की बीएस-6 बस में शिफ्ट कर दिल्ली के लिए रवाना किया जा रहा है। ऐसे में यात्रियों को भी कोई परेशानी नहीं हो रही।

इधर, बसों की कमी के चलते डिपो ने फिलहाल कोटद्वार-सहारनपुर सेवा को बंद कर दिया है। डिपो के एजीएम अनुराग पुरोहित ने बताया कि पर्वतीय क्षेत्रों में यात्रियों को परेशानी न हो, इसलिए डिपो में रिजर्व में रखी बीएस-4 की बसों से यात्रियों को कोटद्वार लाकर दिल्ली के लिए रवाना किया जा रहा है। बताया कि चार धाम से बसों के वापस लौटने के बाद व्यवस्था पूर्ववत कर दी जाएगी।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण
जिला न्यायालय परिसर, पौड़ी गढ़वाल।

दूरभाष संख्या 01368-221815 dlsapauri@gmail.com

विज्ञप्ति संख्या 01/जि.वि.से.प्रा.पौड़ी / चयन पी.एल.वी./2025-26 दिनांकः- 07/05/2025

माननीय उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के पत्रांक संख्या 1219/यू0के0एस0एल0एस0ए0/2023 दिनांकित 11 सितम्बर, 2023 के अनुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी के लिए, जनपद पौड़ी के विभिन्न विकास खण्ड क्षेत्रों में कार्य करने हेतु अधिकार मित्र/पराविधिक स्वयंसेवी (P.L.V) चयनित किये जाने है। जिसके लिये अर्हता निम्न प्रकार है -

1- कम से कम मैट्रिक (10th) पास हों, सेवा निवृत्त शिक्षक, सेवा निवृत्त सरकारी कर्मचारी, वरिष्ठ नागरिक, एम0एस0डब्लू0 छात्र और शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, डॉक्टर/चिकित्सक, विधि के छात्र, गैर राजनीतिक, सेवा उन्मुख गैर सरकारी संगठनों और क्लबों के सदस्य, स्नातकोत्तर, स्नातक, डिप्लोमाधारी, कम्प्यूटर ज्ञान रखने व समाज सेवा के अनुभव वाले आवेदक को वरीयता दी जायेगी।

2- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा सौंपे गये/बताये गये कार्यों के लिए पर्याप्त व पूर्ण समय दे सकें।

3- अभ्यर्थी के द्वारा जिस विकास खण्ड से आवेदन किया जा रहा हों, उसमें ही स्थायी रूप से वर्तमान में भी रह रहें हों।

4- अभ्यर्थी 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका/चुकी हो (30 वर्ष से अधिक उम्र वाले, समाज सेवी व परिपक्व व्यक्ति को वरीयता दी जायेगी)।

नोट-

अधिकार मित्र/पराविधिक स्वयंसेवी (P.L.V) के रूप में चयन किसी राजकीय सेवा के सापेक्ष चयन नहीं है और न ही इसके लिए कोई वेतन, परितोष, पारिश्रमिक भुगतान किया जायेगा। अधिकार मित्र/पराविधिक स्वयंसेवी (P.L.V) के द्वारा एक दिन में किये गये कार्य के सापेक्ष 500/- रू0 (पांच सौ रूपये मात्र) के मानदेय का भुगतान आवश्यक सत्यापन के पश्चात किया जायेगा। इसलिए जो व्यक्ति समाज सेवा की प्रबल इच्छा रखते हों, वहीं व्यक्ति आवेदन करें। रोजगार के उद्देश्य से कोई भी व्यक्ति आवेदन न करें। जिला मुख्यालय से दूरस्थ स्थित विकास खण्डों के अभ्यर्थियों को वरीयता दी जायेगी। आवश्यकता पड़ने पर चयन समिति के द्वारा पराविधिक स्वयंसेवियों के चयन हेतु साक्षात्कार लिया जा सकता है, जिसकी तिथि की सूचना अभ्यर्थीगण को पृथक से दी जायेगी।

इच्छुक व अर्ह अभ्यर्थी नीचे दिये गये निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदन पत्र, प्रमाण-पत्रों की स्वप्रमाणित प्रति व अपना पता लिखा हुआ 27-27 रू0 के डाक टिकट चस्पा किये हुये दो लिफाफों सहित दिनांक 20/05/2025 की सांय 5:00 बजे तक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला न्यायालय परिसर, पौड़ी गढ़वाल के पते पर डाक द्वारा या दस्ती जमा कर सकते है।

अधिकार मित्र/पराविधिक स्वयंसेवी (P.L.V) के चयन हेतु आवेदन पत्र

विज्ञप्ति सं0 01/जि.वि.से.प्रा. पौड़ी चयन अधिकार मित्र/ पी.एल.वी./2025-26, दिनांकित 07/05/2025 के क्रम में निर्धारित प्रारूप के प्रार्थी/प्रार्थिनी का आवेदन पत्र निम्नतः प्रस्तुत है-

1- अभ्यर्थी/अभ्यर्थनी का नाम (हिन्दी में)..
(अंग्रेजी कैपिटल लैटर में)..
2- पिता/पति का नाम..
3- स्थाई पता.......................वि0ख0.......................तहसील.......................
जिला..
4- वर्तमान पता..
5- जन्मतिथि....................... (DD-MM-YYYY) उम्र.......................
6- लिंग- पुरूष/महिला, कृपया सही का निशान लगायें ( )
7- जाति.......................(प्रमाण पत्र संलग्न करें)
8- मोबाईल नम्बर.......................
9- ई-मेल आई0डी एवं व्हाटसअप नम्बर (यदि कोई हो).......................
10- आधार संख्या ....(स्वप्रमाणित छाया प्रति संलग्न करें)
11- शैक्षिक योग्यता.......................(प्रमाण पत्र संलग्न करें)
12- वर्तमान पेशा/कार्य.......................
13- आवेदक किस स्तर पर कार्य करने का इच्छुक है.......................जिला-स्तर.......................तालुका.......................ग्राम स्तर.......................
14- अनुभव यदि कोई हो तो.......................(प्रमाण संलग्न करें)

अभ्यर्थी की स्वप्रमाणित नवीनतम रंगीन पासपोर्ट साईज की फोटोग्राफ

घोषणा : यह कि मैं, निःस्वार्थ भाव से समाज के कमजोर वर्गो, गरीबों, पिछड़ो व महिलाओं तक निःशुल्क कानूनी जानकारी पहुँचाने हेतु समर्पित भाव व स्वेच्छा से अधिकार मित्र/पराविधिक स्वयंसेवी (P.L.V) के रूप में कार्य करने का/की इच्छुक हूँ। यह कि मेरे द्वारा आवेदन पत्र में भरे गये समस्त विवरण मेरी जानकारी व विश्वास में पूर्ण एवं सत्य हैं, यदि कोई सूचना असत्य, अपूर्ण या छुपाई गयी पायी जाती है, तो मेरा चयन निरस्त कर दिया जाये तथा मैं कानूनी कार्यवाही के लिए उत्तरदायी रहूगा/रहूगीं।

दिनांक : प्रार्थी/प्रार्थिनी के हस्ताक्षर

सचिव
जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,
पौड़ी गढ़वाल।
(0970/21)

पाकिस्तान पर एयरस्ट्राइक पर भाजपा ने मनाया जश्न

कोटद्वार के झंडाचौक में भारत माता की जय के नारे लगाते भाजपा कार्यकर्ता

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान पर की गई एयरस्ट्राइक पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने झंडाचौक पर एकत्रित होकर जश्न मनाया। कहा कि प्रत्येक देशवासी को अपनी सेना पर नाज है।

पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह रावत के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर सेना की इस कार्रवाई का स्वागत किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि यह स्ट्राइक हमारे शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि है और यह संदेश देती है कि भारत अब हर आतंकी हमले का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। यह स्ट्राइक ये भी दिखाती है कि देश का हर नागरिक, हर कार्यकर्ता, राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता के प्रति सजग और एकजुट है। कहा कि भारतीय सेना ने सही समय पर सही कदम उठाया है। इस दौरान उमेश त्रिपाठी, नगर अध्यक्ष विकास दीप मित्तल, जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा शान्तनु रावत, नवीन भट्ट, गजेंद्र रावत, पंकज भाटिया, मनोज पांथरी और सतीश गौड़ सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

अदालती सूचना

न्यायालय मोटर एक्सीडेन्ट क्लेम्स ट्रिब्यूनल कोटद्वार गढ़वाल।
मोटर दुर्घटना वाद संख्या 06 सन् 2024
श्रीमती यशोदा देवी तथा अन्य - प्रार्थीगण

बनाम्

अजय बुड़ाकोटी तथा अन्य - विपक्षीगण
समन बनाम- श्री श्यामलाल पुत्र श्री कालूराम निवासी ग्राम ढिमकी, पोस्ट रिखणीखाल, तहसील रिखणीखाल, जिला पौड़ी गढ़वाल। पिन 266170 (चालक वाहन ट्रक संख्या यू0के0 15सी0ए0 - 0924)

चूंकि प्रार्थीगण ने आपके विरूद्ध मेरे न्यायालय में एक क्षतिपूर्ति प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 166/140 मोटर गाड़ी अधिनियम 1988 के तहत क्षतिपूर्ति चाहने बावत प्रस्तुत किया है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप दिनांक 30/05/25 को बवक्त 10 बजे दिन स्थान कोटद्वार में हाजिर आकर मामले में जवाबदेही करें। अन्यथा मामले में आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

मेरे हस्ताक्षर एवं मुहर अदालत के आज दिनांक 05/05/2025 को जारी किया गया।

आदेशानुसार
न्यायालय मोटर एक्सीडेन्ट क्लेम्स ट्रिब्यूनल कोटद्वार।

बोर्ड परीक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सम्मानित करते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम के अंतर्गत राजकीय इंटर कालेज सुखरौ में बुधवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें उत्तराखंड बोर्ड की हाई स्कूल व इंटर परीक्षा 2025 में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का आरंभ अभिभावक संघ संरक्षक महेंद्र अग्रवाल, मुख्य अतिथि पूर्व पुलिस अधिकारी केएस चौहान, पूर्व वरिष्ठ शिक्षक सादर सिंह रावत, पूर्व प्रधानाचार्य जगमोहन सिंह रावत और वर्तमान प्रधानाचार्य रवींद्र सिंह रावत ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। प्रधानाचार्य रवींद्र रावत ने सभी उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को शुभकामना देने के साथ ही अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों को निराश होने के बजाय भविष्य में अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि केएस चौहान ने विद्यार्थियों को अनुशासन में रहने के साथ ही नशीले पदार्थों से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। तत्पश्चात वर्ष 2025 की हाई स्कूल परीक्षा में प्रथम स्थान से उतीर्ण 18 और इंटर बोर्ड परीक्षा में प्रथम स्थान से उतीर्ण 30 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। मौके पर हाई स्कूल बोर्ड में ससम्मान उत्तीर्ण हुए 5 और इंटर बोर्ड परीक्षा में ससम्मान उत्तीर्ण हुए 3 छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पीटीए अध्यक्ष कविता नेगी, एसएमसी अध्यक्ष अंजू भारद्वाज सहित संदीप बिष्ट, राकेश बिष्ट, धर्मेंद्र कंडारी, दीपक गुसांई और राकेश भट्ट आदि शिक्षक मौजूद रहे।

भारतीय सेना की कार्रवाई पर बांटी मिठाई

श्रीनगर गढ़वाल : ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान को दिये गये मुंहतोड़ जवाब पर बुधवार को श्रीनगर में पूर्व सैनिक संगठ व उद्योग व्यापार मंडल ने अपना समर्थन देते हुए भारतीय सेना जिंदाबाद के नारे लगाये। इस मौके पर पूर्व सैनिकों ने जमकर आतिशबाजी करते हुए मिष्ठान वितरित कर किया। पूर्व सैनिक जितेंद्र धिरवाण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना दुश्मन के घर में घुस कर उन्हें तबाह करने का हौसला रखती है। पूर्व सैनिकों ने चारधाम यात्रा में पहुंचे यात्रियों के वाहनों को रोककर मिठाई खिलाई व बधाई दी। इधर अधिवक्ताओं ने भारतीय सेना के द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तहत आंतक को पनाह देने वाले पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकानों को खत्म करने पर खुशी जाहिर की। वहीं अवकाश प्राप्त विकास संघठन ने भारतीय सेना के शौर्य योगदान के लिये धन्यवाद ज्ञापित किया।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी

- मुरादाबाद मंडल से शुरू होने वाली ट्रेनों के 31 एस.एल.आर:
गाड़ी सं. 14816 (F-I, F-II, R-I), 19566 (F-I, F-II, R-I), 12912 (F-I), 14308 (F-I, F-II, R-I), 14631 (F-I, F-II, R-I), 14230 (F-I, F-II, R-I), 12056 (F-I), 14310 (F-I), 14042 (F-I, F-II, R-I), 14120 (F-I), (14090 (F-I, F-II, R-I); 14318 (F-I), 15019 (F-I), 19272 (F-I),14311 (F-I),14609(F-I),19032 (F-I) के पार्सल स्पेस को लीज पर 2 साल की अवधि के लिए देने हेतु ई–नीलामी के तहत दिनांक 21.05.2025 (Timings : 10:00 am) को बोली के माध्यम से आमंत्रित की जाएगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें www.ireps.gov.in वेबसाइट पर ही उपलब्ध हैं।
- मुरादाबाद मंडल से शुरू होने वाली ट्रेनों के 31 एस.एल.आर:
गाड़ी सं. 14320 (F-I, F-II, R-I), 14236 (F-I, F-II), 14321 (F-I), 14718 (F-I, F-II, R-I), 12091 (F-I, F-II, R-I), 14315 (F-I, F-II, R-I), 14605 (F-I), 12037 (F-I), 15120 (F-I), 12018 (F-I) 14887(F-I,F-II,R-I) 14304 (F-I,F-II,R-I), 14306 (F-I, F-II, R-I), 14314 (F-I, F-II,R-I), के पार्सल स्पेस को लीज पर 2 साल की अवधि के लिए देने हेतु ई–नीलामी के तहत दिनांक 22.05.2025 (Timings : 10:00 am) को बोली के माध्यम से आमंत्रित की जाएगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें www.ireps.gov.in वेबसाइट पर ही उपलब्ध हैं।
- मुरादाबाद मंडल से शुरू होने वाली ट्रेनों के 06 एस.एल.आर:
Trains No's 18478 (R-I), 13010 (R-I), 22660 (R-I), 15006 (F-I,R-I), 19020 (R-I) के पार्सल स्पेस को लीज पर 2 साल की अवधि के लिए देने हेतु ई–नीलामी के तहत दिनांक 23.05.2025 (Timings : 10:00 am) को बोली के माध्यम से आमंत्रित की जाएगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें www.ireps.gov.in वेबसाइट पर ही उपलब्ध हैं।

1345/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 पौड़ी

E Mail ID:- eepwdcdpauri@gmail.com, eepwdcdpauri@rediffmail.com, Fax & Phone No. (01368-222284)

पत्रांक- 926/20ए0सी0 दिनांक 07/05/2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी के द्वारा निम्न कार्य की ई-निविदा (सिंगल बिड) आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित सभी सूचनायें http://www.uktender.gov.in पर दिनांक 09.05.2025 से उपलब्ध होगी।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा का मूल्य (रू0 में)	निविदा की वैधता (दिन)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह)	ठेकेदार की श्रेणी।
1	2	3	4	5	6	7
1	राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधान सभा क्षेत्र चौबट्टाखाल के विकासखण्ड पोखड़ा में भरतपुर-सन्दरई-नौल्यूं-डबरा मोटर मार्ग का सुधारीकरण/सुदृढ़ीकरण का कार्य।	276000.00	4000.00 +18%GST	45	09	लोक निर्माण विभाग मार्ग कार्य हेतु श्रेणी-''सी'' एवं उच्चतर

शर्ते

1- अधोहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये किसी भी निविदा को निरस्त/स्थगित करने का अधिकार सुरक्षित है।
2- निविदा शुल्क एवं 18 प्रतिशत जी0एस0टी0 शुल्क अलग-अलग मान्य होगा।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 पौड़ी
(0968/61)

संक्षिप्त समाचार

मुख्य परीक्षाओं में शोधार्थियों की ड्यूटी लगाने पर भड़के छात्र संघ पदाधिकारी

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि से सम्बद्ध डीएवी पीजी कॉलेज देहरादून में शोधार्थियों से मुख्य परीक्षा में ड्यूटी करवाए जाने पर छात्र संघ पदाधिकारी सहित आइसा छात्र संगठन ने विरोध जताया। इस बाबत को लेकर उन्होंने बुधवार को गढ़वाल विवि के परीक्षा नियंत्रक से वार्ता कर ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में गढ़वाल विवि की छात्रा प्रतिनिधि प्रियंका खत्री, कार्यकारिणी सदस्य शिवांक नौटियाल, आइसा छात्र संगठन के प्रवेश बुटोला, अरुणेश मिश्रा, प्रिंस वर्मा ने कहा कि गढ़वाल विवि से संबद्ध डीएवी महाविद्यालय में शोध छात्रों को विश्वविद्यालय की मुख्य परीक्षाओं में ड्यूटी करवाए जाने का मामला संज्ञान में आया है। कहा कि किसी भी शोध छात्रों का प्राथमिक काम शोध करना है, लेकिन डीएवी महाविद्यालय द्वारा इन शोध छात्रों को इंटरनल/सेशनल परीक्षाओं के बाद मुख्य परीक्षा में भी ड्यूटी पर लगाया जा रहा है। कहा कि यह प्रकरण शोध छात्रों के शोषण का विषय होने के साथ-साथ विश्वविद्यालय की परीक्षाओं की गोपनीयता पर भी प्रश्नचिन्ह है। उन्होंने परीक्षा नियंत्रक प्रो. जय सिंह चौहान से उक्त प्रकरण पर तत्काल कार्यवाही करते हुए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्यवाही करते हुए परीक्षाओं की गोपनीयता सुनिश्चित किए जाने की मांग की है। कहा कि यदि जल्द से मांग पर कार्यवाही नहीं होती है तो आइसा छात्र संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा। (एजेंसी)

साइकिल चोरी का अभियुक्त गिरफ्तार

श्रीनगर गढ़वाल : श्रीनगर पुलिस ने एक साईकिल चोर को श्रीकोट गैस गोदाम के पास से गिरफ्तार किया है। श्रीनगर निवासी सुशील मैठाणी ने कोतवाली श्रीनगर में अज्ञात व्यक्ति द्वारा बीते रविवार को बस अड्डे के पास दुकान के बाहर खड़ी साइकिल को चोरी किये जाने संबंधी पत्र दिया था। मामले का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरु की। प्रभारी निरीक्षक श्रीनगर जयपाल सिंह नेगी ने बताया कि साइकिल चोरी की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा था। मामले का संज्ञान लेते हुए गठित पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल की सीसीटीवी फुटेज खंगाली गयी। सीसीटीवी कैमरों से मिली जानकारी के आधार पर आरोपी दीपक लाल 30 वर्ष पुत्र दर्शन लाल, निवासी ग्राम ईड़ा बधानी, थाना कर्णप्रयाग, जिला चमोली, हाल पता श्रीकोट को साइकिल के साथ श्रीकोट गैस गोदाम के पास से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस टीम में अपर उप निरीक्षक विरेन्द्र बृज्वाल, संदीप चौहान, दिनेश चौहान, प्रदीप नौटियाल मौजूद रहे। (एजेंसी)

आयोग ने निकाली पीसीएस के 123 पदों पर भर्ती

हरिद्वार। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की ओर से उत्तराखंड सम्मिलित राज्य सिविल/प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा–2025 के रिक्त 123 पदों पर नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। आयोग ने पीसीएस के रिक्त पदों पर अंतिम तिथि 27 मई तक अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन मांगे हैं। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग ने पीसीएस परीक्षा–2025 के अंतर्गत डिप्टी कलेक्टर कार्मिक और सतर्कता विभाग में रिक्त तीन पदों पर, पुलिस अधीक्षक गृह विभाग में रिक्त 7 पदों पर, वित्तीय धिकारी/कोषाधिकारी वित्त विभाग में 10 पदों पर, सहायक निदेशक/ लेखा परीक्षा अधिकारी वित्त विभाग में 6 पदों पर, उप निबंधक श्रेणी–2 वित्त विभाग में रिक्त 12 पदों पर, सहायक आयुक्त, राज्य कर वित्त विभाग में रिक 13 पदों पर, राज्य कर अधिकारी वित्त विभाग में रिक्त 17 पदों पर आवेदन मांगे हैं।

पाक पर मिसाइल स्ट्राइक के बाद यूएसनगर पुलिस अलर्ट

रुद्रपुर। पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकानों पर भारत के मिसाइल स्ट्राइक के बाद ऊधमसिंह नगर पुलिस अलर्ट मोड पर है। मंगलवार देर रात से ही जिला पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ा दिया है। जिले में चौकसी बढ़ाते हुए चेकिंग अभियान शुरू किया है। बॉर्डर पर बैरिकेडिंग लगाकर पुलिस संदिग्धों की जांच कर रही है। 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने 26 निर्दोष पर्यटकों की गोली मारकर निर्मम हत्या की थी। इस पर कार्रवाई करते हुए मंगलवार देर रात भारतीय सेना ने पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर मिसाइल स्ट्राइक की है। इधर, पाक पर मिसाइल स्ट्राइक के बाद ऊधमसिंह नगर जिले में सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस ने जिले के बॉर्डर पर बैरिकेडिंग लगाकर संदिग्धों की चेकिंग शुरू कर दी।इस दौरान पुलिस टीम ने संदिग्ध व्यक्तियों और वाहन चालकों से पूछताछ भी की।

शहीद मनीष पटवाल मोटर मार्ग सहित अन्य सड़कों का किया निरीक्षण

सड़क निर्माण पर क्षेत्रीय विधायक का जताया आभार

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पौड़ी जिले के कल्जीखाल विकासखंड के शौर्य चक्र विजेता शहीद मनीष पटवाल के गांव जाने वाली जिला योजना से निर्माणाधीन मोटर मार्ग, घंडियाल-गढ़कोट सड़क डामरीकरण के लिए हो रही सोलिंग, घंडियाल-पाली-डांगी शहीद मनीष पटवाल मोटर मार्ग द्वितीय चरण कार्य का लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड की टीम ने औचक निरीक्षण किया।

लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड टीम ने उपरोक्त सड़कों के कार्यों गुणवत्ता का निरीक्षण किया। टीम ने राज्य योजना से निर्माणाधीन बुटली समेत शहीद मनीष

पटवाल निर्माणाधीन मोटर मार्ग का भी औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण दल में प्रांतीय खंड पौड़ी के अधिशासी अभियंता विवेक सेमवाल ने निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की धीमी गति और अधूरे कार्यों पर चिंता व्यक्त की। बरसात से पूर्व अधूरे कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के लिए सहायक अभियंता को आवश्यक निर्देश दिए, ताकि ग्रामीणों को बरसात के मौसम में आवागमन में असुविधा न हो। इसके अतिरिक्त प्रस्तावित डांगी-थनूल मोटर मार्ग एवं अन्य संपर्क सड़कों का भी निरीक्षण कर संभावित कार्य योजनाओं पर चर्चा की गई।

ग्रामीणों ने अधिकारियों से शीघ्र निर्माण कार्य आरंभ कराने की मांग की। ग्रामीणों ने शहीद मनीष पटवाल शौर्य चक्र विजेता के गांव सुरालगांव को सड़क मार्ग से जोड़ने पर विधायक का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर सहायक अभियंता फिरोज अहमद, कनिष्ठ अभियंता मानसी नेगी, सामाजिक कार्यकर्ता जगमोहन डांगी, ग्रामीण विमल थपलियाल, स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

गुरिल्लाओं को भूल रही सरकार

श्रीनगर गढ़वाल : एसएसबी युद्ध प्रशिक्षित गुरिल्ला संघठन ने बुधवार को उपजिलाधिकारी कीर्तिनगर के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। मीडिया प्रभारी अनिल भट्ट ने कहा कि आए दिन देश में कई आतंकवादी घटनाएं हो रही हैं।

एसएसबी गुरिल्ला देश की सीमाओं पर रहता था उस वक्त देश की सीमाएं मजबूत थी, लेकिन जब से एसएसबी गुरिल्लाओं को सरकार भूल रही है तभी से यह आतंकवादी घटनाएं अधिक देखने को मिल रही हैं।

कहा कि सरकार जल्द से जल्द एसएसबी गुरिल्लों के बारे में सुध लेने की सोचे, ताकि देश की सीमाओं पर किसी प्रकार का हस्तक्षेप न हो सके। इस मौके पर हिम्मत सिंह मेहर, बृजमोहन गुसांई, राजेंद्र भंडारी, गीता देवी, पुष्पा देवी, अनीता देवी, जानकी देवी आदि उपस्थित थे। (एजेंसी)

यात्रा मार्ग पर पशुपालन विभाग की 20 टीमें दिन-रात जुटी : जंगपांगी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : अपर निदेशक पशुपालन गढ़वाल मंडल डा. बीएस जंगपांगी ने कहा कि चारधाम यात्रा में घोड़े-खच्चरों में संक्रमण की रोकथाम व बेजुबानों की देखभाल संवेदनशीलता के साथ की जा रही है। विभाग की 20 टीमें इसमें दिन-रात जुटी है। इनमें 16 केदारनाथ यात्रा मार्ग व पड़ाव और यमुनोत्री धाम के जानकी चट्टी में चार टीमें शामिल हैं। साथ ही ग्रुप इंडिया की टीमें भी सहयोग प्रदान कर रही हैं। विभाग के निदेशक डा. नीरज सिंघल केदारनाथ यात्रा मार्ग पर कैंप किए हुए हैं। ऊधमसिंह नगर व चंपावत जिलों से दो उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी भी केदारनाथ यात्रा में तैनात कर दिए गए हैं। कहा कि निरीक्षण के दौरान अस्पतालों में कई जगह अभिलेखों का रख-रखाव ठीक नहीं मिला, साथ ही रिकार्ड भी पूर्ण नहीं पाया गया। संबंधित अफसरों को अभिलेखों के बेहतर रख-रखाव व रिकार्ड को अपडेट रखने के निर्देश दिए गए हैं। बुधवार को मुख्यालय पौड़ी पहुंचे अपर निदेश-ाक पशुपालन गढ़वाल मंडल डा. बीएस जंगपांगी ने बताया कि बीते मंगलवार को यमुनोत्री धाम के यात्रा मार्ग पर व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए स्थलीय निरीक्षण किया। जहां यात्रा मार्ग पर 2 हजार 450 पंजीकृत घोड़े-खच्चर हैं। जानकी चट्टी में विभाग की चार टीमें इन बेजुबानों के स्वास्थ्य की निरंतर जांच कर रही है। यहां अभी तक किसी घोड़े-खच्चर में संक्रमण नहीं पाया गया है। ग्रुप इंडिया की एक टीम भी मदद कर रही है। बताया कि यात्रा मार्ग से जुड़े उत्तरकाशी जिले के पशु चिकित्सालय कमांद, छाम, ज्ञानसू, बड़कोट, नौगांव, पुरोला, डामटा का निरीक्षण किया। टिहरी जिले में पशु चिकित्सालय नैनबाग की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही कैंप्टीफॉल अस्पताल का निरीक्षण भी किया। बताया कि केदारनाथ यात्रा मार्ग पर पशुपालन विभाग की 13 टीमें निरंतर घोड़े-खच्चरों की जांच कर रही है।

आस्था पथ और मंदिर परिसर में एलसीडी से हो रहे लाइव दर्शन

जयन्त प्रतिनिधि।

रुद्रप्रयाग : केदारनाथ धाम की यात्रा को इस साल और भी भव्य और सुविधाजनक बनाने के लिए प्रशासन निरंतर कार्य कर रहा है।

को जब तक मंदिर के अंदर जाकर बाबा केदार के दर्शन करने में वक्त लग रहा है उस दौरान वे आस्था पथ और मंदिर परिसर में प्रशासन द्वारा लगाए गए एलसीडी पर धाम की दिव्यता और भव्यता का साक्षात अनुभव कर रहे हैं।

हर साल बड़ी संख्या में देश-विदेश से श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शनों के लिए केदारनाथ धाम पहुंचते हैं। ऐसे में अक्सर मंदिर तक पहुंचने से पहले लंबी कतारों में खड़ा रहना पड़ता है। ऐसे में श्रद्धालुओं की आस्था और धैर्य को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा एक विशेष योजना में आस्था पथ और मंदिर परिसर में एलसीडी स्क्रीन लगाए हैं जिन पर बाबा केदारनाथ के लाइव दर्शन दिखाए जा रहे हैं।

जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि आस्था पथ पर 50 इंच के 10 एलसीडी टीवी लगाए गए जबकि मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए विशेष रूप से एक विशाल 1020 फीट का एलसीडी टीवी लगाया गया है, जिस पर बाबा केदार के लाइव दर्शन के साथ-साथ भगवान शिव से जुड़ी कथाएं, उनकी महिमा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी प्रसारित की जाएंगी। यह पहल श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक रूप से जोड़ने का एक अनूठा प्रयास है। इन टीवी स्क्रीनों के माध्यम से स्वास्थ्य एवं यात्रा मार्गदर्शिका से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाएं भी समय-समय पर प्रसारित कर यात्रियों को मदद की जा रही है। ताकि यात्रा के दौरान श्रद्धालु सुरक्षित और जागरूक रह सकें।

उन्होंने बताया कि इसके साथ ही सोनप्रयाग में भी एक बड़ी स्क्रीन लगाने की तैयारी अंतिम चरण में है, जिससे यात्रा की शुरुआत करने वाले श्रद्धालुओं को भी बाबा केदार के दर्शन और आवश्यक जानकारी मिल सके। (एजेंसी)

घर में घुसकर मारपीट करने पर चार पर केस

हरिद्वार। अलावलपुर में दो पक्षों में मारपीट हो गई। मामले में एक पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जांच के बाद अग्रिम कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। पुलिस के अनुसार अलावलपुर निवासी प्रमोद कुमार पुत्र विजय ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि गांव के ही रहने वाले एक परिवार के चार लोगों ने उनके घर पर घुसकर एक राय होकर गालीगलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर हमलावरों ने पुलिस कार्रवाई करने के नाम पर जान से मारने की धमकी भी दी है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामले में चार लोगों पंकज, बिट्टू, सचिन, रजत पुत्रगण हरपाल के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

श्रीनगर में जल्द बनकर तैयार होगा स्पोर्ट्स स्टेडियम

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : श्रीनगर में अलकनंदा नदी के किनारे अत्याधुनिक आठ लेन का सिंथेटिक ट्रैक निर्माणाधीन है, जिसे शीघ्र ही खिलाड़ियों के लिए समर्पित किया जाएगा। श्रीनगर में 8 करोड़ 87 लाख की लागत से निर्मित स्पोर्ट्स स्टेडियम को रेल विकास निगम लिमिटेड द्वारा बनाकर खेल विभाग को हस्तांतरित किया गया है। वर्तमान में यहां 400 मीटर का आठ लेन का सिंथेटिक ट्रैक बिछाया जा रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार तैयार किया जा रहा है। जिला क्रीड़ा अधिकारी संदीप डुकलान ने बताया कि खेल परिसरों के निर्माण और संचालन से न केवल जिले में खेल गतिविधियों को गति मिलेगी, बल्कि युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रतिभा दिखाने का बेहतर अवसर भी मिलेगा। यह प्रयास पौड़ी को राज्य के एक प्रमुख खेल हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। जिला क्रीड़ा अधिकारी संदीप डुकलान ने बताया कि जिले में खेल गतिविधियों को सशक्त बनाने के लिए सरकार उच्च गुणवत्ता की खेल संरचनाओं का निर्माण करवा रही है। इस दिशा में करोड़ों रुपये की लागत से ऐसे स्टेडियम तैयार किए जा रहे हैं जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरे उतरते हैं। बताया कि पौड़ी में शहीद राइफलमैन जसवंत सिंह रावत स्पोर्ट्स स्टेडियम, रांसी को एक हाई एल्टीट्यूड सेंटर के रूप में विकसित किया गया है। इस स्टेडियम का नाम परमवीर चक्र विजेता महावीर चक्र विजेता राइफलमैन जसवंत सिंह रावत के सम्मान में रखा गया है। वर्ष 2021 में इस स्टेडियम के विस्तारीकरण के लिए 22 करोड़ 29 लाख 47 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई। इस राशि से 400 मीटर लंबा छः लेन का सिंथेटिक ट्रैक, इंडोर टेबल टेनिस हॉल, इंडोर बैडमिंटन हॉल और 36 बेड का छात्रावास निर्मित किया गया। यह सभी सुविधाएं खिलाड़ियों को एकीकृत प्रशिक्षण और आरामदायक आवास प्रदान करती हैं, जिससे उनकी तैयारी और प्रदर्शन में सुधार होता है। बताया कि रांसी स्टेडियम में नियमित रूप से खेल प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाते हैं। 38वें राष्ट्रीय खेलों से पूर्व भी यहां विशेष प्रशिक्षण शिविर लगाया गया था, जिसमें जिले और राज्य के होनहार खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया गया। स्टेडियम के समीप बना छात्रावास भी खिलाड़ियों की सुविधा में बड़ी भूमिका निभा रहा है। वहीं, श्रीनगर में आठ करोड़ 87 लाख रुपये की लागत से निर्मित स्पोर्ट्स स्टेडियम को रेल विकास निगम लिमिटेड द्वारा बनाकर खेल विभाग को हस्तांतरित किया गया है। वर्तमान में यहां 400 मीटर का आठ लेन का सिंथेटिक ट्रैक बिछाया जा रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार तैयार किया जा रहा है।

त्रिजुगीनारायण में शादी के लिए दुनिया भर से आ रहे हैं जोड़े

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : रुद्रप्रयाग जनपद में स्थित, शिव-पार्वती का विवाह स्थल त्रिजुगीनारायण वैश्विक वेडिंग डेस्टिनेशन के तौर पर उभर रहा है। जहां देश विदेश से लोग सनातन परम्पराओं के अनुसार विवाह करने के लिए पहुंच रहे हैं। शादियों के सीजन में अब यहां हर महीने 100 से अधिक शादियां हो रही हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई मौकों पर डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए उत्तराखंड की ब्रांडिंग कर चुके हैं। इसका असर, त्रिजुगीनारायण मंदिर में साफ तौर पर नजर आ रहा है। जहां लोग देश विदेश से डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए पहुंच रहे हैं। इससे यहां होटल कारोबारियों से लेकर पंडे पुजारियों, वेडिंग प्लानर, मांगल टीमों और ढोल दमौ वादकों सहित कई अन्य लोगों को काम मिल रहा है। क्षेत्र की वेडिंग प्लानर रंजना रावत के मुताबिक, 07 से 09 मई के बीच सिंगापुर में

कार्यरत भारतीय मूल की डॉक्टर प्राची, यहां शादी करने के लिए पहुंच रही है। इसके लिए उन्होंने जीएमवीएन टीआरएच बुक किया हुआ है। उन्होंने बताया कि इस साल अप्रैल माह तक ही यहां करीब पांच सौ शादियां हो चुकी है, जबकि 2024 में कुल छह सौ शादियां ही हुई थी। उन्होंने बताया कि अब तक यहां इसरो के एक वैज्ञानिक, अभिनेत्री चित्रा शुक्ला, कविता कौशिक, निकिता शर्मा, गायक हंसराज रघुवंशी, यूट्यूबर आदर्श सुयाल, गढ़वाली लोकगायक सौरभ मैठाणी के साथ ही कई, जानी मानी हस्तियां सात फेरे ले चुके हैं।

रजिस्ट्रेशन होना अनिवार्य

मंदिर के पुजारी सच्चिदानंद पंचपुरी ने बताया कि यहां सनातन मतावलंबियों का विवाह वैदिक परंपराओं के अनुसार सम्पन्न होता है, इसके लिए पहले से रजिस्ट्रेशन होना अनिवार्य है। साथ ही माता-पिता या अभिभावकों की मौजूदगी में ही विवाह संपन्न होता है। उन्होंने बताया कि सात फेरों के लिए मंदिर परिसर में ही वेदी बनाई गई है, इसके बाद अखंड ज्योति के साथ पग फेरा लिया जाता है। इसके अलावा अन्य सभी आयोजन, नजदीकी होटल और रिजॉर्ट में सम्पन्न किए जाते हैं। सीतापुर तक के होटल में अन्य विवाह समारोह भी स्थानीय पुजारियों द्वारा सम्पन्न कराए जाते हैं, इसके लिए दक्षिणा की दरें तय की गई हैं।

त्रिजुगीनारायण मंदिर का महत्व

त्रिजुगीनारायण मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। मान्यता है कि यहां भगवान शिव और देवी पार्वती का विवाह संपन्न हुआ था। स्वयं भगवान विष्णु ने इस विवाह में देवी पार्वती के भाई (कन्यादान कर्ता) का कर्तव्य निभाया था। मंदिर प्रांगण में एक पवित्र अखंड अग्नि है, मान्यता है कि शिव पार्वती ने इसी अग्नि के सात फेरे लिए थे। मंदिर की बनावट केदारनाथ मंदिर से मिलती-जुलती है।

उत्तराखण्ड स्वागत के लिए तैयार

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद, उत्तराखंड में देश विदेश के लोग डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए पहुंच रहे हैं। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिल रहा है। सरकार उत्तराखंड में डेस्टिनेशन वेडिंग को बढ़ावा देने के लिए हर संभव सहायता दे रही है। देवभूमि उत्तराखंड आपका स्वागत करने के लिए तैयार है।

घोड़ा-खच्चर पालकों के बीच व्यापक जागरूकता अभियान चलाएं

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने जिला कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से क्षेत्रीय पशु चिकित्साधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने घोड़ा-खच्चरों में फैलने वाली संक्रामक बीमारी इक्विनफ्लुएंजा को लेकर घोड़ा-खच्चर पालकों के बीच व्यापक जागरूकता अभियान चलाने को कहा। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जैसे ही बीमारी के लक्षण दिखें, तुरंत पशु को आराम दिया जाए, उचित खानपान की व्यवस्था की जाए और तुरंत चिकित्सकीय उपचार उपलब्ध कराया जाए।डीएम ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को चारधाम यात्रा के दौरान घोड़ा-खच्चरों को बीमारियों के संबंध में शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि पशुओं को बीमारियों से बचाने के लिए प्रभावी दवाओं और हड्डी टूटने जैसी आपात स्थितियों में उपयोग होने वाले थॉमस स्प्लिंट जैसे उपकरणों की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने हेतु एक वेटनरी रिसर्च ग्रुप गठित किया गया है। इस समूह को निर्देश दिए गए हैं कि सस्ते, टिकाऊ और एडजस्टेबल उपकरण तैयार किए जाएं, जिससे पशुपालकों को सुलभ इलाज मिल सके। साथ ही मेडिसिन की प्रभावशीलता पर भी यह समूह शोध करेगा। जिलाधिकारी ने पशु चिकित्सा के क्षेत्र में मौजूद अपार शोध संभावनाओं पर बल देते हुए कहा कि विभागीय दक्षता बढ़ाने के लिए नवाचार आवश्यक हैं। बैठक में मुख्य पशुचिकित्साधिकारी आदि मौजूद रहे।

डीएम लेटर मॉनिटरिंग सिस्टम प्रभावी, जनमन की समस्या का टाइम बाउंड समाधान

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल द्वारा जनमानस की शिकायत के निस्तारण हेतु एवं शिकायतों की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए कलेक्ट्रेट में स्थापित किए गए लेटर मॉनिटरिंग सिस्टम से मॉनिटरिंग की जा रही है। जिससे जनमानस की शिकायतों का टाइम बाउंड निस्तारण में सहायता प्राप्त हो रही है तथा विभागीय अधिकारियों की जनमन के प्रति भी जवाबदेही बढ़ गई है ।

जिलाधिकारी सविन बंसल की सशक्त प्रशासन, त्वरित प्रभावी कार्यशैली के चलते जहां जनमानस की शिकायतों का तुरंत समाधान हो रहा है वही विकास योजनाएं भी धरातल पर मूर्तरूप ले रही हैं।जनता दर्शन कार्यक्रम में 28 अप्रैल को अपनी शिकायत लेकर आए शिकायतकर्ता देवेन्द्र कुमार ठुकराल, निवासी–34–, खुड़बुड़ा मोहल्ला, देहरादून सीवरेज लाइन संबंधी शिकायत का 1 मई को जलसंस्थान द्वारा निस्तारण कर दिया गया है। शिकायतकर्ता द्वारा जनता दर्शन में सीवर लाईन चोक एवं सीवर मेनहोल चैम्बर कवर सड़क तल से नीचे होने के सम्बन्ध में शिकायत की गयी थी।

बहादराबाद में लगा दिव्यांगजनों हेतु उपकरण वितरण शिविर

हरिद्वार। बहादराबाद विकास खंड परिसर में बुधवार को शिविर में दिव्यांगजनों को निशुल्क सहायक उपकरण बांटकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की ओर कदम बढ़या गया। मुख्य अतिथि रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार जरूरतमंदों को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार मदद पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि गरीबों व दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। कहा कि कोई भी व्यक्ति पूर्ण नहीं होता। हमें खुद को कमजोर नहीं समझना चाहिए, बल्कि सबल बनकर समाज में अपने लिए एक विशेष स्थान बनाना चाहिए। सरकार हर कदम पर आपके साथ खड़ी है।

मुख्य सचिव ने की प्रदेश में नागरिक सुरक्षा पूर्वाभ्यास के सम्बन्ध में अधिकारियों एवं जिलाधिकारियों संग बैठक

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने बुधवार को सचिवालय में प्रदेश में नागरिक सुरक्षा पूर्वाभ्यास के सम्बन्ध में अधिकारियों एवं जिलाधिकारियों के साथ बैठक ली। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि यह पूर्वाभ्यास गतिविधियां/मॉक ड्रिल प्रदेशभर में आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि यह पूर्वाभ्यास आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने में अत्यधिक सहायक होंगे।

मुख्य सचिव ने कहा कि इन पूर्वाभ्यास गतिविधियों से आमजन में किसी प्रकार का पैनिक न हो इसके लिए मॉक ड्रिल और उसके लाभ से अवगत जनता से लगातार संवाद किया जाए। उन्होंने कहा कि आम नागरिक को इन गतिविधियां और कार्यवाही की जानी है, कराया जाए। आपातकालीन परिस्थितियों उसके लिए सभी विभागाध्यक्षों द्वारा अपने में सभी विभागों द्वारा क्या–क्या स्तर से तैयारियां सुनिश्चित कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि यह एक पूर्वाभ्यास कार्यक्रम है, जिससे राज्य के प्रत्येक नागरिक को आपातकालीन परिस्थितियों के लिए तैयार किया जाएगा।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाओं के प्रति प्रदेश के नागरिकों को जागरूक किए जाने हेतु पूरे प्रदेश में पूर्वाभ्यास गतिविधियां/मॉक ड्रिल आयोजित की जाएं। उन्होंने कहा कि आपातकालीन एवं विपरीत परिस्थितियों में आमजन को क्या–क्या करना है या क्या नहीं करना है, इसकी जानकारी उपलब्ध करायी जाए। उन्होंने कहा कि इसका व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाए।

कठोर नकल विरोधी कानून लागू होने के बाद पारदर्शिता से हो रही परीक्षाएं

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी गुरूवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में अर्पित फाउंडेशन द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनका व्यक्तिगत नहीं, बल्कि उत्तराखंड की सवा करोड़ जनता के सहयोग और समर्थन का प्रतीक है, जिन्होंने हर ऐतिहासिक निर्णय में सरकार का साथ दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पहले नकल और पेपर लीक जैसी समस्याओं से युवाओं के सपने टूटते थे, राज्य में देश का सबसे कठोर नकल विरोधी कानून लागू होने के बाद पारदर्शिता से परीक्षाएं हो रही हैं और पिछले साढ़े तीन वर्षों में 23 हजार से अधिक युवाओं को

सरकारी नौकरी मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को सशक्त करने के लिए अनेक योजनाएं लागू की गई हैं। संसद में एक तिहाही आरक्षण, उज्ज्वला योजना, लखपति दीदी योजना जैसी अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इसी दिशा में उत्तराखंड सरकार ने भी मुख्यमंत्री नारी सशक्तिकरण योजना, महालक्ष्मी योजना, वात्सल्य योजना, आंचल अमृत योजना और पोषण अभियान जैसे कई प्रभावी कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड पहला राज्य है जहां समान नागरिक संहिता को लागू किया गया है, जिससे समाज में समरसता और महिलाओं को समान अधिकार मिले हैं। लिव-इन रिलेशनशिप का पंजीकरण अनिवार्य कर महिलाओं और बच्चों को कानूनी संरक्षण देने का कार्य किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में धर्मांतरण, लव जिहाद, लैंड जिहाद जैसी गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। दंगा रोधी कानून और सख्त भू-कानून लागू कर राज्य को सुरक्षित और संरक्षित बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। ये सभी निर्णय उत्तराखंड को एक आदर्श और सुरक्षित राज्य बनाने की दिशा में मजबूत नींव हैं। राज्य सरकार प्रदेश को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर स्वामी चिदानन्द मुनी महाराज, स्वामी यतीन्द्रानन्द गिरी, स्वामी कृष्ण गिरी, स्वामी भरत गिरी, वरिष्ठ भाजपा नेता श्याम जाजू, विधायक दुर्गेश्वर लाल, अर्पित फाउण्डेशन की अध्यक्ष श्रीमती हनी पाठक और सामाजिक और सैनिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

चारधाम यात्रा को जाने वाले युवा बोले सरकार का फैसला सराहनीय

हरिद्वार। भारतीय वायुसेना की ओर से पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों पर हमले के बाद बुधवार सुबह से ही लोगों के चेहरे पर चमक देखने को मिली। चारधाम यात्रा में जाने वाले यात्री इस सूचना से खुश नजर आए। ऋषिकुल मैदान में रजिस्ट्रेशन कराने पहुंची युवाओं की टोली ने भारत माता की जय के नारे लगाए। युवाओं के नारों से पूरा रजिस्ट्रेशन पंडाल गूंज उठा। चारधाम यात्रा पर रांची से आए बीटेक के छात्र आदित्य कुमार, संकेत, आर्यन, हर्षवर्धन, हिमांशु, प्रणव, अभिनव, हर्ष और सिद्धार्थ ने कहा कि सुबह मोबाइल का नेट ऑन करते ही सेना की ओर से पाकिस्तान पर हमले की सूचना मिली। हम सभी इससे प्रसन्न हैं कि सरकार ने आतंकियों को उनके करनी की सजा दी।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com